वर्ष 24, अंक 283, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | रविवार 20 अप्रैल 2025 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

मलबे से निकल रही लाशें...

दिल्ली के शक्ति विहार में मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हुई, बचाव अभियान जारी

नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में एक दर्दनाक घॉना घटी है। शनिवार (19 अप्रैल) को सुबह करीब 3:00 बजे एक चार मंजिला आवासीय इमारत ढह गई। जिसमें सुबह के समय चार लोगों की मौत की खबरें आयी लेकिन अब मौत का आंकड़ा बढ़ गया है।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में एक दर्दनाक घॉना घटी है। शनिवार (19 अप्रैल) को सुबह करीब 3:00 बजे एक चार मंजिला आवासीय इमारत ढह गई। जिसमें सुबह के समय चार लोगों की मौत की खबरें आयी लेकिन अब मौत का आंकड़ा बढ़ गया है। मुस्तफाबाद की गली नंबर 1 में इमारत ताश के पत्तों की तरह ढह गई, जिससे कई लोग मलबे में दब गए। अधिकारियों ने बताया कि इमारत में अब भी कई लोग फंसे हुए हैं और मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और अन्य एजेंसियों ने आज भी तलाशी और बचाव अभियान जारी रखा। जिन आठ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, उनमें चांदनी (23), दानिश (23), नावेद (17), रेशमा (38) और चार अन्य शामिल हैं। पांच लोग- शाहिद (45), रेहाना (38), अहमद (45), तनु (15) और जीनत (58) को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। छह अन्य - चांद (25), शान (4), सान्या (2), नेहा (19), अल्फेज (20) और आलिया (17) को चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने के बाद छुट्टी दे दी गई है।

दिल्ली सीएम ने मुस्तफाबाद इमारत ढहने की जांच के आदेश दिए

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इमारत ढहने की घटना की जांच के आदेश दिए हैं और कहा है कि एजेंसियां बचाव कार्य में लगी हुई हैं।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सभी घायलों के उचित उपचार की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, मुस्तफाबाद में इमारत ढहने की दुखद घटना से बहुत दुख हुआ। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यूनुस सरकार से नहीं संभल रहा बांग्लादेश!

यूनुस सरकार से नहीं संभल रहा बांग्लादेश! 2024 में हिंदुओं के खिलाफ 2200 हिंसक घटनाएं दे रही गवाही

बांग्लादेश

शेख हसीना के इस्तीफा देने के बाद से बांग्लादेश में मंदिरों पर हमले और हिंदुओं की हत्या का सिलसिला जारी है. ताजा मामले में बांग्लादेश के दिनाजपुर में हिंदु समुदाय के एक नेता की अपहरण करने के बाद पीट-पीटकर हत्या कर दी गई, लेकिन अभी तक यूनुस सरकार को ये नहीं पता चल पाया है कि हत्या के पीछे कौन लोग शामिल हैं.

जानकारी के मुताबिक, भाबेश चंद्र रॉय (58 वर्ष) बांग्लादेश पूजा उद्यापन परिषद की बीराल इकाई के उपाध्यक्ष थे और दिनाजपुर क्षेत्र में हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता थे. शुक्रवार को कुछ लोग उन्हें अपने साथ ले गए थे. बाद में उनके शव को घर के बाहर फेंक कर भाग हुए. भाबेश चंद्र रॉय की पत्नी ने अपहरण करने वाले दो लोगों की पहचान भी की है, लेकिन स्थानीय पुलिस आरोपियों तक नहीं पहुंच पाई है.

विदेश मंत्रालय ने घटना पर कड़ा विरोध जताया

भारत के विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर कड़ा विरोध जताया है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा कि हमने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और बेरहमी से हत्या को दुख के साथ नोट किया है. यह हत्या अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के एक पैटर्न का अनुसरण करती है, जबकि पिछली ऐसी घटनाओं के अपराधी बेखौफ घूमते हैं. जायसवाल ने कहा कि हम इस घटना की निंदा करते हैं और एक बार फिर अंतरिम सरकार को याद दिलाते हैं कि वह बहाने बनाए या भेदभाव किए बिना सभी अल्पसंख्यकों जिसमें हिंदू भी शामिल हैं कि सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी को पूरा करें.

'2024 में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ 2200 हिंसक घटनाएं'

हाल ही में भारत के विदेश मंत्रालय ने राज्यसभा में एक जवाब में बताया था कि साल 2024 में बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ 2200 हिंसक घटनाएं हुई हैं. इन घटनाओं में 2024 में 700 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है. विदेश मंत्रालय ने बताया कि 2022 में बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा की 47 जबकि 2023 में 300 घटनाएं हुई थीं।

पीएम से मिले हिमंत बिस्वा सरमा

भूपेन हजारिका जन्म शताब्दी समारोह के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली

अपने आधिकारिक आवास पर प्रधानमंत्री के साथ 20 मिनट की बैठक में मुख्यमंत्री सरमा ने मोदी को असम बायो-इथेनॉल प्लांट का उद्घाटन करने और 5,700 करोड़ रुपये की गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना और दरंग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की आधारशिला रखने के लिए भी आमंत्रित किया।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें संगीत के क्षेत्र में भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित किया। अपने आधिकारिक आवास पर प्रधानमंत्री के साथ 20 मिनट की बैठक में मुख्यमंत्री सरमा ने मोदी को असम बायो-इथेनॉल प्लांट का उद्घाटन करने और 5,700 करोड़ रुपये की गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना और दरंग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की आधारशिला रखने के लिए भी आमंत्रित किया।

प्रधानमंत्री ने आगामी 8 सितंबर को आयोजित होने वाले इन समारोहों में मुख्य अतिथि बनने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर लिया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए निमंत्रण को स्वीकार करने के लिए उन्हें हार्दिक धन्यवाद दिया। सरमा ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यआज नयी दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैंने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में एक साल तक चलने वाले समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि के रूप में उन्हें असम आमंत्रित किया।

बेंगलुरु में रहना है तो हिंदी में बात करो

बेंगलुरु

बेंगलुरु में एक गैर-कन्नड़ व्यक्ति और एक ऑटो चालक के बीच तीखी नोकझोंक का वीडियो वायरल हुआ है, जिससे कर्नाटक की राजधानी में भाषा को लेकर बहस का नया दौर शुरू हो गया है। क्लिप में वह व्यक्ति गुस्से में ऑटो चालक से कह रहा है कि अगर आप बेंगलुरु में रहना चाहते हैं तो हिंदी में बात करें, जबकि उसके दोस्त उसे शांत करने का प्रयास करते हैं। ऑटो चालक परेशान होकर कहता है आप बेंगलुरु आए हैं, आप कन्नड़ में बात करते हैं। मैं हिंदी में बात नहीं करूंगा।

'कानून यदि सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद भवन बंद कर देना चाहिये'

नई दिल्ली

बीजेपी सांसद ने एक्स पोस्ट में लिखा कि कानून यदि सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद भवन बंद कर देना चाहिये। इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों पर कड़े शब्दों में टिप्पणी करते हुए कहा कि लोकतंत्र में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें।

वक्फ एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। हालांकि, इस एक्ट को लेकर बवाल लगातार जारी है। इन सबके बीच बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे का बड़ा बयान सामने आया है। बीजेपी सांसद ने एक्स पोस्ट में लिखा कि कानून यदि सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद भवन बंद कर देना चाहिये। इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों पर कड़े शब्दों में टिप्पणी करते हुए कहा कि लोकतंत्र में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें। उनकी यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक ऐतिहासिक फैसले में राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए संविधान के अनुच्छेद 370 को मंजूरी देने की समय सीमा तय करने के कुछ दिनों बाद आई है। राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के छठे बैच को संबोधित करते हुए धनखड़ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास से भारी मात्रा में नकदी बरामद होने के बारे में विस्तार से बात की और इस विवाद पर न्यायपालिका की प्रतिक्रिया की आलोचना की।

पीएम दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे सऊदी अरब

नई दिल्ली

भारत और सऊदी अरब के बीच ऐतिहासिक व्यापारिक संबंधों और गहरे सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित दीर्घकालिक संबंध हैं। भारत और सऊदी अरब के बीच सामाजिक-सांस्कृतिक और व्यापारिक संपर्कों का लंबा इतिहास है और इनके बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर 22-23 अप्रैल को सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे।

हिंदी से कोई परहेज नहीं, लेकिन इसे जबरन क्यों थोपा जा रहा है?

भाषा विवाद पर बोले पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे

महाराष्ट्र

ठाकरे की यह प्रतिक्रिया महाराष्ट्र सरकार के उस फैसले की विपक्ष द्वारा आलोचना के बीच आई है, जिसमें मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने का फैसला किया गया है। इससे पहले दो भाषाओं के अध्ययन की व्यवस्था थी।

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र में हिंदी को अनिवार्य बनाने का विरोध करेगी। राज्य सरकार ने कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम महाराष्ट्र में हिंदी को अनिवार्य नहीं बनने देंगे। उन्होंने कहा कि हमें हिंदी से कोई परहेज नहीं है, लेकिन इसे जबरन क्यों थोपा जा रहा है?

शिवसेना (यूबीटी) की श्रमिक शाखा, भारतीय कामगार सेना के एक कार्यक्रम में बोलते हुए ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी को हिंदी भाषा से कोई समस्या नहीं है, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि इसे क्यों थोपा जा रहा है। ठाकरे की यह प्रतिक्रिया महाराष्ट्र सरकार के उस फैसले की विपक्ष द्वारा आलोचना के बीच आई है, जिसमें मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने का फैसला किया गया है। इससे पहले दो भाषाओं के अध्ययन की व्यवस्था थी।

इस बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी भाषा अनिवार्य है, इसे सभी को सीखना चाहिए। इसके साथ ही अगर आप दूसरी भाषाएं सीखना चाहते हैं तो सीख सकते हैं। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि हिंदी का विरोध और अंग्रेजी को बढ़ावा देना आश्चर्यजनक है।

तेजस्वी यादव का आरोप

नीतीश सरकार पर राजनीतिक प्रचार के लिए 225 करोड़ का दुरुपयोग

बिहार

तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार सरकार ने महिला संवाद के नाम पर 225 करोड़ रुपये के डिजिटल रथ का ऑर्डर दिया है। उन्होंने कहा कि रदाताओं के पैसे से छह सौ डिजिटल चुनाव रथों को मंजूरी दी गई है, जिसमें ग्रामीण विकास विभाग ने 225 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिसे उन्होंने सीएम की 'यात्रा' बताया है, एक अभियान जिसका वास्तविक उद्देश्य छिपाने के लिए कथित तौर पर कई नाम बदले गए।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जद (यू) आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपने राजनीतिक अभियान को बढ़ावा देने के लिए जनसंपर्क की आड़ में सरकारी धन का दुरुपयोग कर रहे हैं। पटना में पार्टी मुख्यालय में बोलते हुए तेजस्वी ने दावा किया कि 'महिला संवाद' जैसी पहल के माध्यम से सरकारी धन का "दुरुपयोग" किया जा रहा है, जिसे उन्होंने राजनीतिक प्रचार का एक मोर्चा बताया।

तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार सरकार ने महिला संवाद के नाम पर 225 करोड़ रुपये के डिजिटल रथ का ऑर्डर दिया है। उन्होंने कहा कि रदाताओं के पैसे से छह सौ डिजिटल चुनाव रथों को मंजूरी दी गई है, जिसमें ग्रामीण विकास विभाग ने 225 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिसे उन्होंने सीएम की 'यात्रा' बताया है, एक अभियान जिसका वास्तविक उद्देश्य छिपाने के लिए कथित तौर पर कई नाम बदले गए। तेजस्वी ने सरकार पर बड़े पैमाने पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि दिसंबर 2024 से अब तक सिर्फ छह से सात कैबिनेट बैठकों में 76,622 करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से अधिकांश निर्माण से संबंधित हैं।

रेफर करने की प्रवृत्ति से बचें चिकित्सक : सीएम योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक चिकित्सक की सबसे बड़ी पहचान उसकी संवेदना होती है। यदि किसी डॉक्टर के मन में संवेदना नहीं है, तो वह डॉक्टर कहलाने का अधिकारी नहीं है। उसकी पहचान ही संवेदना से है। चिकित्सक की संवेदना गंभीर से गंभीर मरीज की आधी बीमारी दूर कर सकती है।

सीएम योगी ने चिकित्सा संस्थानों के डॉक्टरों को यह नसीहत भी दी कि वे बेवजह मरीजों को उच्च केंद्रों में रेफर करने की प्रवृत्ति से बचें और मरीज को क्रिटिकल केयर उपलब्ध कराने में रिस्क लेने की आदत डालें।

सीएम योगी ने शुक्रवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), गोरखपुर के परिसर में 500 लोगों की क्षमता वाले विश्राम सदन (रैन बसेरे) का भूमि पूजन-शिलान्यास करने के बाद रैली को संबोधित किया। कुल 44.34 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह विश्राम सदन पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा विश्राम सदन होगा। इसका निर्माण पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया की सीएसआर निधि से कराया जा रहा है।

शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी चिकित्सा संस्थान डॉक्टर के व्यवहार के माध्यम से संवेदना का केंद्र भी होता है। संवेदना के इस केंद्र में अगर एक मरीज भर्ती होने आता है तो उसके साथ कम से कम तीन-चार अटेंडेंट होते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में तो कई बार अटेंडेंट की संख्या 10 तक हो जाती है। ऐसे में मरीज के साथ आने वाले अटेंडेंट के लिए आश्रय की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। इस 500 बेड के विश्राम सदन के शिलान्यास के साथ ही गोरखपुर एम्स को एक नई उपलब्धि प्राप्त हुई है।

उन्होंने कहा कि एम्स गोरखपुर का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2016 में किया था। साल 2019 में एम्स गोरखपुर में मरीजों का दाखिला शुरू हुआ था और 2021 में प्रधानमंत्री ने इसका लोकार्पण किया था। उन्होंने कहा कि साल 2016 में जो बीज एम्स के रूप में गोरखपुर में रोपा गया था, आज वह एक वटवृक्ष बनकर हजारों पीड़ितों को आरोग्य प्राप्त करने के लिए एक नया जीवनदान देने का केंद्र बन गया है। पहले एम्स गोरखपुर में होने की कल्पना भर की जा सकती थी। साल 2003 से हम लोग इसके लिए आवाज उठा रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने दिल्ली के बाहर छह एम्स बनाने की घोषणा की थी, लेकिन उसके बाद यूपीए सरकार में यह क्रम थम सा गया था। मोदी सरकार बनने के बाद 10 साल में देश में 22 नए एम्स बने हैं या बन रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में एम्स गोरखपुर की ऑक्युपेंसी 75 से 80 प्रतिशत है। आईसीयू, क्रिटिकल केयर और ट्रॉमा सेंटर में भर्ती होने वाले मरीज के परिजन उनके साथ नहीं रह सकते। उन्हें बाहर ही रहना पड़ता है। इस कैंपस में कम से कम 1,200 लोग ऐसे होंगे।

समाधान दिवस पर बिजली विभाग के जेई को जमकर मिली फटकार

● पूर्व शिकायती पत्र के निस्तारण न होने पर एसडीएम बारा का गुस्सा सातवें आसमान पर, जमकर लगाई लालापुर जेई को फटकार समाधान हाल सन्न रहा

अखंड भारत संदेश

सम्पूर्ण समाधान दिवस में लोगों की समस्याएं सुनते एसडीएम

बारा। बारा सम्पूर्ण समाधान दिवस परगनाधिकारी बारा के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कुल 134 शिकायती पत्र दूर दूर के गांवो से आए जिसमे दो का निस्तारण किया गया

फरियादी अपनी समस्या को लेकर समाधान दिवस पर दिए सबसे ज्यादा राजस्व विभाग 82, पुलिस 21, विकास 07, विद्युत 07, खाद्य एवं रसद 08, सिंचाई विभाग 01, समाज कल्याण 03, जल निगम 01, स्वास्थ्य विभाग 01, आबकारी विभाग 01, नगर विकास 01, शिक्षा विभाग 01 शिकायती पत्रों को सम्बंधित अधिकारियों को दे दिया गया। सबसे ज्यादा बिजली के मामले को लेकर एस डी एम ने विभाग के जेई को फटकार लगाई बार बार तहसील दिवस पर अधिवक्ता शशिभूषण शुक्ल की घरेलू विद्युत सप्लाई को वर्षों से सिचाई नलकूप से जोड़ने से परेशान है रात दिन में 7 घण्टे बिजली मिल पाती है, गांव की सप्लाई में जोड़ने की कई बार शिकायती पत्र दिए लेकिन लालापुर के जेई ने नही जुड़वा सके, इसी समस्या को लेकर पुनः शिकायती पत्र देखते ही एसडीएम का गुस्सा सातवें आसमान पर चढ़ गया जमकर सम्बंधित को फटकार लगाई। राजस्व विभाग के दो शिकायती पत्र को टीम भेजकर तुरंत निस्तारण किया गया । परगनाधिकारी ने स्पस्ट कहा कि जितनी भी शिकायत आई है जल्द इसका निस्तारण करें। इस मौके पर ए सी पी बारा, नायब तहसीलदार बारा, बीडीओ जसरा, बिजली विभाग, सड़क, जलनिगम, विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा महानगर अध्यक्ष के प्रथम आगमन पर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

● नैनी क्षेत्र को अपराध मुक्त करने के लिए और अपराधियों में भय पैदा करने के लिए प्रमुख स्थानों पर लगे सीसीटीवी को दुरुस्त करवाना जरूरी : संजय गुप्ता

● अपराधियों की धर पकड़ के लिए सीसीटीवी कैमरे से पुलिस को मिलेगा भरपूर सहयोग

अखंड भारत संदेश

भाजपा महानगर अध्यक्ष का स्वागत करते भाजपाई

नैनी। नैनी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों मे हरिकृष्णा बबलू तिवारी जिला संयोजक ने स्वागत किया वही लोकपुर में चकभटाई के वरिष्ठ पार्षद मयंक यादव के निवास पर शनिवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता के प्रथम आगमन पर स्वागत और अभिनंदन किया गया। स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से कुंवर परमात्मा सिंह, पार्षद मयंक यादव, सत्यम शुक्ला, संजय श्रीवास्तव, रजत दुबे, पतविन्दर सिंह,नीरज शर्मा, सुधीर प्रजापति, राज सिंह, आकाश यादव, प्रदीप तिवारी, शिवदानी सिंह, गणेश पाण्डेय, उमेश सेन, सुनील विश्वकर्मा, मोहित अग्रहरि, सुनील कुशवाहा, पंकज तिवारी, ओमप्रकाश मिश्र, सुरेश पटेल, नीरू पटेल आदि भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। पार्षद मयंक यादव ने नैनी क्षेत्र को अपराध मुक्त करने के लिए और अपराधियों में भय पैदा करने के लिए शीघ्र ही नैनी के प्रत्येक पोल पर लगे सीसीटीवी कैमरे को पूर्ण रूप से दुरुस्त करवाने के लिए संजय गुप्ता को अवगत करवाया है। जिससे अपराध पर अंकुश लगाने मे प्रशासन को मदद मिलेगी। पार्षद मयंक यादव ने महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता के प्रथम आगमन पर यह मांग प्रमुख रूप से रखी है।

शादी समारोह में शामिल होंगे आज सपा मुखिया

सहसों। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पार्टी प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल? पाल? की पुत्री के शादी समारोह में शामिल होने आज साहसों स्थित एक गेस्ट हाउस में आए?गे। जिला अध्यक्ष अनिल यादव ने बताया की बमरौली एयरपोर्ट पर 11:30 बजे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव वायुयान से आएंगे और वहां से कार द्वारा सड़क मार्ग से सहसों में शादी समारोह में शामिल होंगे।

गेंद ने किया विवाद, पिता एवं दो पुत्रों का सिर फटा, पिता-पुत्र गये जेल

जंघई। सरायममरेज थानांतर्गत जंघई बाजार में क्रिकेट खेल रहे बच्चों की गेंद खेत में चले जाने के कारण आपसी विवाद हो गया जिसमें तीन लोगों का सिर फट गया। सरायममरेज पुलिस ने चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करते हुए दो लोगों को जेल भेज दिया है। व्यापार मंडल अध्यक्ष जंघई संजय जायसवाल बबलू पुत्र संगम जायसवाल ने सरायममरेज थाना में तहरीर देकर मुकदमा पंजीकृत करवाया है जिसमें उन्होंने लिखा है कि गुरुवार शाम को राकेश दुबे पुत्र जमुना प्रसाद निवासी जंघई बाजार अपने पुत्र मोहित दुबे एवं आधा दर्जन लोगों के साथ मेरे छोटे भाई अजय जायसवाल की मिठाई की दुकान पर पहुंचे और क्रिकेट विवाद को लेकर मेरे भाई पर लाठी डंडों, सरिया, बेल्ट से हमला कर दिया जिससे मेरे छोटे भाई का सिर फट गया जब बीच-बचाव करने मेरे दोनों भतीजे प्रवेश जायसवाल एवं लकी जायसवाल करने गये तो उन पर हमला कर दिया गया जिसके कारण दोनों भतीजों का भी सिर फट गया। संजय जायसवाल की तहरीर पर चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है जिसमें राकेश दुबे एवं उनके बेटे मोहित दुबे को गिरफ्तार कर-के नैनी सेंट्रल जेल भेज दिया। परिजनों के अनुसार गुरुवार शाम को जंघई बाजार निवासी राजन जायसवाल का बेटा अपने सहयोगियों के साथ हंडिया रोड जंघई बाजार में पीछे खेत में क्रिकेट खेल रहा था कि गेंद राकेश दुबे के खेत में चली गई, गेंद जाने पर राकेश दुबे उनकी पत्नी और दोनों बेटे बच्चों को डांटने फटकारने लगे तो राजन जायसवाल के बड़े भाई जंघई व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय जायसवाल और उनका बेटा ऋषि जायसवाल भी मौके पर पहुंचे और बच्चों की गलती हेतु राकेश दुबे से क्षमा मांगी। लेकिन आरोप प्रत्यारोप में दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई और मार-पीट में बदल गई जिसका निष्कर्ष यह निकला कि एक पक्ष के पिता और दोनों बच्चों का सिर फट गया, जबकि दूसरे पक्ष के पिता पुत्र को जेल भेज दिया गया और छोटे विवाद का कारण बनी गेंद ने नासमझी के कारण दोनों परिवारों में अशांति पैदा कर दिया।

तहसील दिवस पर राजस्व के सबसे ज्यादा शिकायती पत्र, निस्तारण एक भी नहीं

शिकायती पत्रों में राजस्व विभाग के 160 पुलिस विभाग के 54 विकास विभाग के 16 व अन्य विभाग के 18 शिकायती पत्र प्राप्त मिलाकर कुल 248 शिकायती पत्र प्राप्त हुए

अखंड भारत संदेश

तहसील दिवस पर सोरांव में समस्याएं सुनते उप जिला अधिकारी हीरा लाल सैनी

सोरांव। शनिवार को सोरांव तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें सबसे ज्यादा शिकायती पत्र राजस्व विभाग के रहे वहीं सबसे कम शिकायती पत्र विकास विभाग के रहा। लेकिन एक भी शिकायती पत्रों का मौके पर निस्तारण नहीं हो पाया। शिकायती पत्रों में राजस्व विभाग के 160 पुलिस विभाग के 54 विकास विभाग के 16 व अन्य विभाग के 18 शिकायती पत्र प्राप्त हुए कुल 248 शिकायती पत्र प्राप्त हुए, तहसील दिवस के अध्यक्षता उप जिलाधिकारी सोरांव हीरालाल सैनी ने किया। तहसील दिवस पर सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव जंग बहादुर यादव, तहसीलदार राजेश कुमार पाल, नायब तहसीलदार नैंसी मिश्रा, नायब तहसीलदार धनंजय यादव, खंड विकास अधिकारी सोरांव सुनील कुमार पटेल सहित सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

भरत चरित्र निस्वार्थ प्रेम, त्याग, संयम और धैर्य का प्रतीक : राजन जी महाराज

अखंड भारत संदेश

जंघई। पूज्य श्री मठिया महावीर हनुमान जी श्रीपुर, गड़ौरा मेला मैदान प्रांगण में आयोजित संगीतमय श्रीराम कथा में सुविख्यात कथावाचक पूज्य राजन जी महाराज के मुखारविंद से दिव्य और भव्य श्रीराम कथा का अष्टम दिवस शनिवार को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और भावपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। पूज्य राजन जी महाराज की सुमधुर वाणी और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से युक्त प्रवचन ने संपूर्ण श्रद्धालु जनों के हृदय को श्रीराम मय कर दिया। महाराज ने भरत चरित्र एवं शबरी प्रसंग सुनाकर उपस्थित हजारों श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। महराज ने कहा कि श्रीराम कथा में भरत का चरित्र निस्वार्थ प्रेम, त्याग, संयम और धैर्य का प्रतीक है। भरत ने श्रीराम को अपना राजा मानने के बजाय, अपने भाई राम के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को चुना, और राज सिंहासन त्याग दिया शबरी, एक निष्ठावान राम भक्त थीं, जिन्होंने श्रीराम के प्रति अपनी भक्ति और प्रेम दिखाया, और उन्होंने श्रीराम को अपने जूठे बेर खिलाए, जिसे श्रीराम ने प्रेमपूर्वक खा लिया। भरत चरित्र में बताया कि भरत, दशरथ और कैकेयी के पुत्र थे वे एक कुशल योद्धा और विचारशील व्यक्ति थे

जब उन्हें पता चला कि राम के बजाय उन्हें राजा बनाया जाना है, तो वे बहुत क्रोधित हुए, लेकिन उन्होंने राम के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को चुना भरत ने अयोध्या का राज सिंहासन त्याग दिया और राम की खोज में चले गए, जो कि अपने भाई राम के प्रति उनकी निष्ठा और प्रेम का प्रतीक था। भरत का चरित्र निस्वार्थ प्रेम, त्याग, संयम और धैर्य का उदाहरण है, और वे आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। शबरी का प्रेम में बताया कि शबरी एक निषाद राजकुमारी थी और एक निष्ठावान राम भक्त थी वह श्रीराम की प्रतीक्षा में हमेशा रहती थी और जब श्रीराम उनसे मिलने आए, तो उन्होंने उन्हें अपने जूठे बेर खिलाए। शबरी का प्रेम और भक्ति इतनी सच्ची थी कि श्री राम ने उनके जूठे बेर प्रेम पूर्वक खा लिए और उन्हें मोक्ष प्रदान किया। शबरी का उदाहरण दिखाता है कि भगवान के प्रति प्रेम और भक्ति कैसे किसी को मोक्ष की ओर ले जा सकती है।

इस प्रकार, श्रीराम कथा में भरत का चरित्र निस्वार्थ प्रेम और त्याग का उदाहरण है, जबकि शबरी का प्रेम भगवान के प्रति अटूट भक्ति का प्रतीक है। कथा के पश्चात आरती प्रसाद वितरण किया गया कथा पंडाल में हजारों श्रोतागण भाव-विभोर होकर झूम रहे थे। इस अवसर पर प्रमुख यजमान अर्पित सिंह, दिनेश पांडेय एवं सहयोगियों में रोहित चौरसिया, पंकज सिंह, ऋषभ सिंह, अखिलेश मिश्रा, दिवाकर सिंह, संजय सिंह, शिवम पांडेय, रजनीश सिंह, विकास दुबे, विकास शुक्ल, आलोक सिंह, गौरव राजपूत, सचिन सिंह, अवनीश प्रताप सिंह सहित हजारों श्रोतागण मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, मातम

अखंड भारत संदेश

सोरांव। सोरांव थाना क्षेत्र के भावापुर टोल प्लाजा के पास शनिवार सुबह करीब 10:00 बजे युवक किसी काम से सोरांव चौराहे पर आ रहा था जैसे ही वह भावापुर टोल प्लाजा के पास पहुंचा तभी लापरवाही पूर्वक विपरीत दिशा में जा रही है चार पहिया वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया। घटना से युवक की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची सोरांव पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मृतक के घर वालों को सूचना दिया मौके पर पीड़ित परिवार पहुंचे।

भदरी निवासी प्रताप बहादुर पटेल 50 किसी काम से सोरांव चौराहे पर आ रहे थे जैसे ही वह भावापुर टोल प्लाजा के पास पहुंचे थे तभी लापरवाही पूर्वक तेज गति से विपरीत दिशा में आ रही है एक चार पहिया ने जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक की मौके पर मौत हो गई। वहीं मृतक के पुत्र अमित कुमार पटेल ने अज्ञात चालक के खिलाफ सोरांव थाने पर मुकदमा दर्ज करवा दिया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतक के परिवार वालों का रो रोकर बुरा हाल है।

दहेज के लिए इंजीनियर बहू के साथ मारपीट कर घर से निकाला, मुकदमा

झूंसी। लखनऊ के प्रीति नगर में रहने वाला एक परिवार दहेज के लिए अपनी इंजीनियर बहू के साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। मामले में झूंसी पुलिस ने पीड़िता के पति व सास-ससुर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

झूंसी के कटका निवासी कविता चित्रांशी पत्नी मुकेश श्रीवास्तव ने पुलिस से लिखित शिकायत करते हुए बताया कि उसकी बेटी अक्षिता श्रीवास्तव एक प्राइवेट कंपनी में इंजीनियर है। जिसकी शादी 9 महीने पहले लखनऊ के प्रीति नगर निवासी प्रसून श्रीवास्तव पुत्र रामाज्ञा श्रीवास्तव के साथ बड़े धूमधाम से की थी प्रसून श्रीवास्तव नोएडा में इंजीनियर है, शादी में दहेज के रूप में पांच लाख नकद व जेवरात सहित अन्य सामान दिया गया था पर शादी के बाद से ही ससुराल वाले बेटी को प्रताणित करने लगे और 10 लाख दहेज की और मांग करने लगे। आरोप है कि उसके साथ मारपीट व पति प्राकृतिक संबंध भी बनाता था 10 लाख की डिमांड पूरी न कर पाने पर बेटी को घर से भी निकाल दिया पुलिस ने सास ससुर पति के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पहली पत्नी के रहते कर ली दूसरी शादी रिपोर्ट दर्ज

झूंसी। थाना क्षेत्र का रहने वाला एक युवक अपनी पत्नी को दुबई में नौकरी करने की बात कह कर गया और लखनऊ में दूसरी शादी कर उसके साथ रहने लगा जब पहली पत्नी को जानकारी हुई तो उसने मामले की लिखित शिकायत पुलिस से की, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। करछना के डीहा गांव निवासी ललिता देवी की शादी 15 साल पहले सूची के चक हरिहर वन निवासी संजीव कुमार पुत्र पंचू लाल से हुई थी ललिता देवी ने बताया कि हमारा एक 7 वर्षीय बेटा भी है पति संजीव कुमार बेरोजगार था और उसने बताया कि दुबई में नौकरी मिल रही है ललिता देवी को मायके छोड़ वह दुबई के नाम पर चला गया और लखनऊ में दूसरी शादी कर ली। साल भर बीत गए ना तो कोई फोन आया ना ही कोई संदेश ललिता देवी ने बताया कि जब उसने खोजबीन शुरू की तो दूसरी शादी की बात पता चली और वह अपने मायके आई तो सास, ससुर, ननद ने उसके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया।

सुंदर लोक गीतों की प्रस्तुति से डॉ. अंबेडकर को किया गया याद

अखंड भारत संदेश

भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करते श्रद्धांजलि अर्पित करते अतिथिगण

लोकगीत प्रस्तुत करते लोक गायक

सहसों। मीरापुर सहसों में आयोजित जवाबी लोक गायकी के सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से सुंदर लोकगीतों की प्रस्तुति से भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते नमन एवं याद किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बसपा नेता जितेन्द्र सिंह एवं विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख सहसों गीता सिंह ने बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन करते हुए कहा कि समाज में व्याप्त कुरीतियों एवं भारत के संविधान के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले अर्थशास्त्री एवं कुशल राजनीतिज्ञ, शिक्षाविद भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर चलने के लिए सभी को सीख लेनी चाहिए। डॉ आंबेडकर दलितों एवं गरीबों के उत्थान तथा शोषितों और वंचितों की शिक्षा पर मजबूती से जोर देते हुए सभी को जागरुक करते आगे बढ़ने की प्रेरणा देते मार्गदर्शक बने। इस मौके पर डॉक्टर अंबेडकर एवं समाज सुधारक ज्योतिबा फुले को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके जीवन संघर्षों पर एक से बढ़कर एक जवाबी लोकगीतों की प्रस्तुति देकर लोक कलाकार वीरेंद्र सिंह विमल एवं ज्योति उजाला ने उपस्थित श्रोताओं को आहलादित कर दिया। जवाबी लोक गायकी से एक दूसरे को सह मात देते हुए वीरेंद्र सिंह विमल ने मनोहरी, आधुनिक एवं हृदय प्रफुल्लित एवं बेजोड़ सुंदर रचनाओं एवं लोकगीतों को प्रस्तुत कर लोगों से वाह वाही लूटते जमकर लोगों से तालियां बजवाई। कार्यक्रम के आयोजक सिद्ध नारायण ऑडिटर ने सभी अतिथियों एवं लोक कलाकारों का माल्यार्पण कर स्वागत करते धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉक्टर जगन्नाथ पाल, दीपचंद सरल, राज कुमार गौतम, उमेश पटेल, तेज प्रताप सिंह लल्लू, रणधीर सिंह मुन्ना, उर्मिला पाल, सोहन लाल केसरवानी एवं रामजी बिंद सहित भारी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम का आनंद लेते उपस्थित रहे।

मेला बसाने वाले लल्लूजी के गोदाम में लगी भीषण आग

गोदाम में रखे कई गैस सिलेण्डर भी फटे, रखा था महाकुंभ संबंधी सामान, हुआ लाखों का नुकसान

- प्रयागराज के शास्त्री पुल के पास लल्लू जी एंड संस में गोदाम में भीषण आग लगने से इलाके में मची अफरा-तफरी
- फायर कर्मियों के शरीर पर फफोले पड़े, 5 लाख बल्लियां जलीं

अखंड भारत संदेश

गोदाम में लगी भीषण आग

प्रयागराज। महाकुंभ में टेंट सिटी बसाने वाले लल्लूजी के गोदाम में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। गोदाम में 5 लाख बांस-बल्लियां, टेंट के पर्दे, रजाइयां और गद्दे रखे थे। इससे आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। गोदाम में रखे गए सिलेंडर फटने लगे। 5 लाख बल्लियां जल गईं। आग की लपटें 3 किलोमीटर दूर से दिखाई दे रही थीं।आग इतनी भयावह थी कि बुझाने के लिए सेना को बुलाया गया। फायर ब्रिगेड की 18 गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। इसके अलावा आसपास के जिलों से भी फायर टेंडर बुलाए गए।आग लगे के दौरान तपिश इतनी ज्यादा थी कि दमकलकर्मियों के शरीर पर फफोले पड़ गए। पुलिस ने 2 किलोमीटर के क्षेत्र को सील कर दिया। आसपास के इलाके के लोगों को भी अलर्ट कर दिया गया। प्रयागराज डीएम भी मौके पर पहुंचे। आग कैसे लगी, यह अभी तक साफ नहीं हो पाया है।गोदाम शास्त्री ब्रिज के बीच में काली सड़क पर है। बताया जा रहा है कि सुबह 6.30 गोदाम में मजदूर छोटे सिलेंडर पर खाना बना रहे थे, तभी सिलेंडर फट गया। इसके बाद आग लग गई। आग की लपटें देखकर गोदाम में सो रहे कर्मचारी और आसपास के लोग भाग कर पहुंचे। बाल्टी और पाइप से पानी डालना शुरू कर दिया, लेकिन आग तेजी से बढ़ते देख लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इस बार भी महाकुंभ में टेंट का जिम्मा लल्लूजी एंड संस कंपनी के पास था। यह कंपनी 104 साल से रेत पर तंबुओं का शहर बसाने का काम कर रही है। इस कंपनी को कुंभ का विश्वकर्मा कहा जाता है।

आग कैसे लगी, किसी को नहीं पता

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने गोदाम में मौजूद कर्मचारियों से आग लगने का कारण पूछा तो वह कुछ नहीं बता सके। सीफओ डा. आरके पांडेय का कहना है कि तीन वजह से आग लगने की आशंका है। पहली किसी ने जलती बीड़ी या सिगरेट फेंक दिया। दूसरी चूल्हे से निकली चिन्गारी और तीसरी शार्टसर्किट हो सकती है। हालांकि, यह तो जांच के बाद ही साफ होगा।

गोदाम से सामान हटाने की कही थी बात

अग्निशमन अधिकारी राजेश कुमार का कहना है कि गोदाम में टेंट का इतना भंडारण किया गया था कि उन्होंने खुद कई बार मैनेजर से कहा था कि इन सामानों को यहां से हटाया जाए, लेकिन उनकी बातों को लगातार अनसुना किया गया और इतना बड़ा हादसा हो गया।

अनियंत्रित ट्रैक्टर सड़क किनारे जा रही महिलाओं को रौंदा, दो की दर्दनाक मौत

अखंड भारत संदेश

हंडिया। ट्रैक्टर की टक्कर लगने से दो महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई। घटना गंगापार के हंडिया थाना क्षेत्र के शाहीपुर गांव के पास हुई। तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा रही दो महिलाओं को टककर मारते हुए निकल गया।

भीषण हादसे में दोनों महिलाओं ने मौके पर दम तोड़ दिया। हादसे के बाद गांव के लोगों ने हंगामा कर दिया। पुलिस ने पहुंच मामला संभाला। हादसे में उर्मिला देवी पत्नी शैलेश यादव और रेखा देवी पत्नी संतोष कुमार की मौत हुई है।

हादसे के बाद मौके पर जुटी लोगों की भारी भीड़

घटनास्थल पर काफी भीड़ जमा है। हंडिया इंस्पेक्टर कहना है कि दो महिलाओं की मौत हुई है। शव को कब्जे में लिया जा रहा है। दो महिलाओं को रौंदने के साथ ही अनियंत्रित ट्रैक्टर एक जीप समेत कई वाहनों को टक्कर मारते हुए निकला। कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

ग्रामीणों ने आरोपी चालक को पकड़ा

हादसे के तुरंत बाद गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रैक्टर चालक को दौड़ाकर पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलते ही हंडिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आज पहुंचेंगे प्रयागराज

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को प्रयागराज आएंगे। अखिलेश यादव प्रयागराज आकर सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की बेटी के वैवाहिक समारोह में शामिल होंगे।अखिलेश यादव के प्रयागराज आगमन को लेकर सपाइयों ने खास तैयारी की है। माना जा रहा है कि अखिलेश यादव रविवार को करछना में हुए दलित हत्याकांड पर प्रेस कांफ्रेंस करेंगे। साथ ही वे पीड़ित परिवार से मिलने गांव जा सकते हैं। चूंकि दलित युवक देवी शंकर हत्याकांड को लेकर प्रदेश में राजनीति गर्म है।सपा के अलावा कांग्रेस और बसपा के तमाम नेता पीड़ित परिवार से मिलने जा चुक हैं। अखिलेश यादव के आने से पहले समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल परिवार से मिलने पहुंचा था।प्रतिनिधि मंडल में उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और विधायक राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज शामिल थे। सपा नेताओं ने परिवार को दो लाख रुपये का चेक सौंपा था।

शादी समारोह फायरिंग में तीन लोग घायल

दो अलग-अलग गांवों में हुई वारदात, दो महिलाएं और एक बच्चा जख्मी

अखंड भारत संदेश

हंडिया। हंडिया थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग गांवों में शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग से तीन लोग घायल हो गए। घायलों में दो महिलाएं और एक 13 वर्षीय बच्चा शामिल है। उपरदहा गांव में हुई पहली घटना में शादी समारोह के दौरान की गई फायरिंग में दो महिलाएं घायल हो गईं। घायल महिलाओं की पहचान रेखा देवी (52) और पार्वती देवी (60) के रूप में हुई है। परिजनों ने शनिवार दोपहर करीब 12 बजे पुलिस को घटना की सूचना दी।दूसरी घटना लाक्षागृह गांव में धर्मेंद्र तिवारी के घर आई बारात के दौरान हुई। फायरिंग में एक 13 वर्षीय बच्चा घायल हो गया। परिजन तुरंत बच्चे को नजदीकी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बच्चे को एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया। बच्चे की हालत स्थिर बताई जा रही है।थाना प्रभारी ब्रिज किशोर गौतम के अनुसार, दोनों मामलों में परिजनों की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने शादी समारोह की वीडियो फुटेज मांगी है। आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा और उनके लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन फंड घोटाले की होगी जांच : हाईकोर्ट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के फंड घोटाले की जांच की जाएगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस कमिश्नर प्रयागराज को निर्देश दिया है कि वह डी सी पी से निष्पक्ष पारदर्शी विवेचना कराए और छः हफ्ते में प्रगति रिपोर्ट पेश करें। याचिका की अगली सुनवाई 19 मई को होगी।यह आदेश न्यायमूर्ति एम सी त्रिपाठी तथा न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने बार एसोसिएशन के बर्खास्त कर्मचारी पवन कुमार पाण्डेय की याचिका पर दिया है। याचिका पर याची के वरिष्ठ अधिवक्ता कमल कृष्ण व शैलेन्द्र कुमार अवस्थी बार एसोसिएशन के अधिवक्ता प्रीतपाल सिंह व राज्य सरकार के अपर महाधिवक्ता एम सी चतुर्वेदी व ए जी ए प्रथम जी पी सिंह ने बहस की।

याची का कहना है कि उसे दुर्भावनावश झूठा फंसाया गया है। वह निर्दोष है। उसने कोई गबन नहीं किया है। इसलिए कैंट थाना प्रयागराज में 19 फरवरी 25 को दर्ज एफआईआर रद्द की जाय और उसकी गिरफ्तारी पर रोक लगाई जाय। विरोध में कहा गया कि याची ने स्वयं ही बार एसोसिएशन के बैंक खाते में 37 लाख रूपए जमा किए हैं। बार फंड का बड़ा घपला किया गया है। जिसकी निष्पक्ष पारदर्शी विवेचना पुलिस द्वारा किया जाना जरूरी है। जिस पर कोर्ट ने डी सी पी रैंक के अधिकारी से विवेचना की प्रगति रिपोर्ट मांगी है।

कांग्रेस पार्टी हमेशा ही संविधान निर्माता बाबा साहेब का अपमान करने का किया है कार्य : राजू शुक्ला

- भाजपा नेता एवं क्षेत्र के चर्चित जनसेवक इंद्रदेव शुक्ला ने बाबा साहेब डा भीमराव अंबेडकर के विचारों और सिद्धांतों को लेकर कठौली गांव में घर घर चलाया जनजागरूकता अभियान

अखंड भारत संदेश

जनजागरूकता अभियान में शामिल लोग

मेजा। क्षेत्र के चर्चित जनसेवक एवं भाजपा नेता इंद्रदेव शुक्ला (राजू भैया) ने शनिवार को मेजा के कठौली में घर घर जाकर संविधान निमार्ता डा भीमराव अंबेडकर विचारों एवं सिद्धांतों को लेकर जनजागरूकत अभियान चलाया। इस दौरान बाबा साहब की प्रतिमा साथ लेकर पूरे गांव में भ्रमण किया और कहा कि कांग्रेस पार्टी देश में 55 वर्षों तक शासन सत्ता में रही लेकिन वह अपने ही नेताओं को सम्मान दिया और बाबा साहब का हमेशा अपमान करने का ही कार्य किया है। उन्होंने आगे कहा जब केंद्र में अटल बिहारी बाजपेई के नेतृत्व में पहली बार तो भाजपा के शीर्ष नेताओं द्वारा उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने का विचार अमल में लाने का कार्य किया था। इतना ही नहीं भ्रमण के दौरान जनसेवक श्री शुक्ला ने यह भी कहा कि बाबा साहेब डा भीमराव अंबेडकर सामाजिक समरसता और कर्तव्य निष्ठा की प्रतिमूर्ति थे उनका संघर्ष हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा स्रोत है जो शिक्षा समानता और सम्मान के लिए समाज में आज भी आवाज बुलंद कर रहा है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि बाबा साहेब के विचारों और सिद्धांतों को आत्मसात कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में कार्य करें क्योंकि बाबा साहेब के विचार और सिद्धांत आज भी हमें शिक्षा समानता और स्वाभिमान की राह दिखाते हैं। इस मौके पर फूलचंद्र, चंद्रमणि, मुकेश जैसल, कुलदीप, दूधनाथ तथा टिंकू तिवारी आदि के अलावा ग्रामीण एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

लिवर (यकृत) हमारे शरीर का सूर्य एवं चार्टेड अकाउंटेंट : डॉ रमेश चंद्रा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उपर्युक्त विचार हमारे प्रयागराज के वरिष्ठ आयुर्वेद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सक सुल्तानपुर के प्रेक्षा गृह में आयोजित हेल्थ अवेयरनेस प्रोग्राम में कर रहे थे। यह हमारे शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि है, और इसे जिगर भी कहा जाता है। यकृत हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है। जिस व्यक्ति का लीवर जितनी तेज चमकता है उसे व्यक्ति के चेहरे पर उतना ही चमक होती है। इसीलिए यकृत को शरीर का सूर्य कहा जाता है। यकृत हमारे शरीर के रक्त को छानकर साफ करता है। यह हमारे शरीर की के तमाम विषाक्त पदार्थ माल और मूत्र के मार्ग से बाहर निकालता है। यह पित्त का उत्पादन शरीर के पाचन संस्थान में मदद करता है। एक तरह से यकृत हमारे शरीर का सी ईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर भी है। जो शरीर में उत्पन्न प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स, हारमोंस आदि को संतुलित करता है। यह शरीर के दाहिनी ओर पसली के नीचे स्थित है, इसीलिए इसका राइट (सही) होना भी जरूरी है। यह हमारे शरीर में ग्लूकोज नियंत्रित करने के साथ-साथ शरीर के तापमान और शरीर के रक्त में थक्के जमाने में मदद करता है। जिस तरह से टैक्स बचाने के लिए हमारी आय का मैनेजमेंट चार्टेड अकाउंटेंट करता है और हमें सरकार को टैक्स देने से बचाता है, ठीक उसी प्रकार यह यह हमारे शरीर का मैनेजमेंट करता है। इसलिए हमें अपने यकृत को स्वस्थ रखना जरूरी है क्योंकि यदि यह बीमार हो गया तो हमें टैक्स के रूप में तमाम बीमारियों के लिए टैक्स के रूप में दवा खाना पड़ेगा हमारा पैसा खर्च होगा। हमारे गलत खानपान से हमारा यकृत फैटी हो जाता है। उसके गलत कार्य करने से पीलिया भी हो जाता है जिसमें समूचा शरीर पीला पड़ जाता है। तो हम कह सकते हैं कि यकृत हमारे शरीर का चार्टेड अकाउंटेंट भी है। यकृत के ठीक से कार्य न करने से शरीर में तमाम विकृतियों आ जाती हैं और शरीर सूज जाता है इसलिए हमें अपने लवर को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है। यह हमारे शरीर का सेनापति भी कहलाता है इसको साहस एवं संकल्प की जननी कहा गया है। हमारे शरीर की जैविक घड़ी के अनुसार रात्रि 11:00 से 1:00 बजे तक पित्ताशय और 1:00 से 3:00 तक यकृत का समय होता है। इस समय वह शरीर में दिन भर के काम के बाद आई हुई टूट फुट की मरम्मत करता है और शरीर में एक नई ऊर्जा देता है। 11:00 बजे रात्रि से 3:00 तक का समय गहरी निद्रा का होता है। इस समय जो भी व्यक्ति भोजन आदि करते हैं और जागते हैं तो उनका शरीर में होने वाले स्राव जैविक घड़ी के अनुसार बिगड़ जाता है और तमाम नई-नई बीमारियां शरीर के अंदर उत्पन्न होने लगती है। हमारी आंखों का संबंध यकृत से होता है। शरीर में जैसे ही पीलिया होता है वैसे ही इसका असर आंखों और नाखूनों में देखने को मिलता है और धीरे-धीरे समोसा शरीर पीला पड़ जाता है।लीवर जनित रोगों से बचने के लिए हमें अपने खान-पान और रहन-सहन के ऊपर नियंत्रण लाना बहुत आवश्यक है। इसलिए हमें अपने जीव के ऊपर नियंत्रण करना नितांत आवश्यक है। फास्ट फूड एवं जंक फूड से बचें और अपने भोजन में प्रचुर मात्रा में अंकुरित हरी सब्जियां फल और कच्ची चीजों का सेवन करें। हमें अपने भोजन में 70% क्षारीय और 30% अम्लीय भोजन शामिल करना चाहिए।

मेजा ऊर्जा निगम में अग्निशमन सेवा सप्ताह का समापन समारोह आयोजित

- समारोह का उद्देश्य केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के फायर विंग द्वारा अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन तैयारी के लिए जागरूकता फैलाना

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा ऊर्जा निगम में अग्निशमन सेवा सप्ताह का समापन समारोह शनिवार को प्लांट फायर स्टेशन में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के फायर विंग द्वारा अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन तैयारी के लिए जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था जिसके मुख्य अतिथि निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अशेष चट्टोपाध्याय रहे। जिन्होंने समारोह में उपस्थित सभी लोगों का आभार जताते हुए संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान अविजित चटर्जी, मुख्य महाप्रबंधक तकनीकी सेवाएँ, एन एन सिन्हा, महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण,विवेक चंद्र, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन, श्रीमती मनीषा पांडे मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नॉन-एक्जीक्यूटिव एसोसिएशन के प्रतिनिधियो के अलावा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के फायर विंग के निरीक्षक मदन कुमार मुंडा द्वारा स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद एक अग्निशमन प्रदर्शन किया गया, जिसमें आपातकालीन स्थितियों में आवश्यक कदमों और अग्निशमन तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद समारोह में सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन सीआईएसएफ के प्रभारी असिस्टेंट कमांडेंट राकेश कुमार पारीक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने अग्निशमन सेवा सप्ताह को सफल और प्रभावशाली बनाने में सभी के योगदान की सराहना की। अपराजिता महिला समाज की सदस्याओं के लिए भी अग्नि सुरक्षा पर एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। जिसकी मुख्य अतिथि अपराजिता महिला समाज की अध्यक्षा, श्रीमती कृष्णा चट्टोपाध्याय रही। यह सत्र केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के फायर विंग के निरीक्षक मदन कुमार मुंडा द्वारा संचालित किया गया, जिन्होंने घरेलू अग्नि आपात स्थितियों को केंद्रित करते हुए अग्नि सुरक्षा के उपायों की महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने प्रतिभागियों को आग से बचाव हेतु एहतियाती कदमों और घरेलू आग की घटनाओं से निपटने के प्रभावी तरीकों के बारे में बताया।

नाबालिग प्रेमिका के घर मिला किशोर,लड़की के परिजनों ने की पिटाई

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र में एक गंभीर मामला सामने आया है। देवनीपुर गांव में गुरुवार देर रात 14 वर्षीय किशोर 12 साल की नाबालिग लड़की के घर मिला। किशोर प्रेमचंद बिंद का बेटा है। लड़की के परिजनों ने किशोर को उनकी बेटी के कमरे में देखा। इसके बाद आक्रोशित परिजनों और गांववालों ने किशोर की पिटाई कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने लाकर पूछताछ की। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों से तहरीर ले ली गई है। विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। घटना को लेकर गांव में चर्चा का माहौल है।

जीवित को मृतक दर्शाने वाले सत्यापनकर्ता अधिकारी व कर्मचारी पर होगी कड़ी कार्यवाही

वृद्धावस्था पेंशन का सत्यापन प्रारम्भ, अपात्रों को नहीं मिलेगा लाभ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी द्वारा वृद्धावस्था पेंशन के लाभार्थियों के ग्रामीण क्षेत्रों के सत्यापन हेतु खण्ड विकास अधिकारियों एवं नगरीय/शहरी क्षेत्र के लाभार्थियों के सत्यापन हेतु उप जिलाधिकारियों/अधिशासी अधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य द्वारा विकास खण्ड लालगंज के विभिन्न ग्राम पंचायतों में सत्यापित पेंशनरों का क्रास वेरिफिकेशन किया गया। बुजुर्गों को बेहतर जीवन देने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना चलाई जा रही है। वास्तविक और पात्र लाभार्थियों तक ही योजना का लाभ पहुंच सके, इसके लिए नए वित्तीय वर्ष 2025-26 में पेंशन भुगतान के लिए सूची में शामिल लाभार्थियों के सत्यापन का कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसके अन्तर्गत वृद्धावस्था पेंशन के कुल-152860 पेंशनरों का सत्यापन 15 मई 2025 तक पूर्ण किया जायेगा। मृतक एवं अपात्र पाए गए पेंशनरों को सूची से हटाकर उनकी जगह नए पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा। जीवित को मृतक दर्शाने वाले सत्यापनकर्ता अधिकारी व कर्मचारी पर होगी कड़ी कार्यवाही। सत्यापन का कार्य गहनता से कराये जाने हेतु निर्देश दिये गये है। जीवित पेंशनर को मृतक दर्शाने वाले सत्यापनकर्ता अधिकारी/ कर्मचारी पर कड़ी

सत्यापन में जुटे अधिकारी

कार्यवाही की जायेगी। मण्डलीय उप निदेशक एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा 10 प्रतिशत सत्यापन का क्रॉस वेरिफिकेशन किया जायेगा। जीरो पावर्टी अभियान में चिन्हित परिवारों का सत्यापन हो रहा है, पात्रता के अनुसार चिन्हित परिवारों को पेंशन से लाभान्वित कराया जायेगा। ज्ञातव्य है कि विभाग की ओर से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के बी0पी0एल0 आय सीमा के अन्तर्गत वृद्धजनों को प्रतिमाह 1000 रुपयें की पेंशन डी0बी0टी0 के माध्यम से तिमाही प्रदान की जा रही है। इसके अन्तर्गत उत्तर प्रदेश का निवासी होना जरुरी है। ग्रामीण क्षेत्र के आवेदक की वार्षिक आय 46080 रुपयें और शहरी क्षेत्र में वार्षिक आय 56460 रुपयें से कम होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र में सत्यापन खण्ड विकास अधिकारी के माध्यम से और शहरी क्षेत्र में उप जिलाधिकारी/अधिशासी अधिकारी के माध्यम से कराया जा रहा है। योजना को पारदर्शी बनाने के लिए तकनीक का प्रयोग कर कई ठोस कदम उठाए गए है। इसके लिए लाभार्थियों को समय से पेंशन का भुगतान सुनिश्चित करवाने के लिए उनके आधार प्रमाणीकरण की कार्यवाही की जाती है। लाभार्थियों के आधार और मोबाइल नम्बर को बैंक खातों से लिंक करवाया जाता है। एकीकृत पोर्टल के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि एक व्यक्ति किसी एक पेंशन में ही लाभ प्राप्त कर सकें।

जेईई मेंस की परीक्षा में अयांक ने बढ़ाया मान

पट्टी। विकासखंड पट्टी के सरायमधई ग्राम प्रधान परशुराम ओझा के बेटे अयांक ओझा ने जेईई मेंस 2025 की द्वितीय सेशन की परीक्षा में 94.6 प्रतिशत परिणाम लाकर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। अयांक ने हाईस्कूल की पढ़ाई अशोकपुर स्थित रमाकांत एकेडमी व इंटरमीडिएट की पढ़ाई सेंट जेवियर स्कूल पट्टी से की है। जेईई मेंस परीक्षा पास कर अयांक ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए परिवार का मान बढ़ाया।

न्यूज झरोखा

भगवान भक्त की निर्मल आराधना पर हुआ करते हैं प्रसन्न : श्रीराघव रामानुजदास

प्रतापगढ़। नगर के सरस्वती विद्या मंदिर मार्ग पर हो रही श्रीमदभागवत कथा में शनिवार को कथाव्यास आचार्य श्रीराघव रामानुजदास जी ने भगवान की आराधना के लिए न तो धन की आवश्यकता होती है और न ही वैभव की। उन्होने कहा कि भगवान की आराधना केवल मनोभाव की निर्मलता से ही मंगलदायी हुआ करती है। उन्होनें कहा कि भगवान श्रीकृष्ण सर्वसमर्थ है और वह अपने स्वरूपानंद से परिपूर्ण हैं। रामानुजदास जी ने कहा कि भक्त की भावना से भगवान पूजा को स्वीकार करते है और किसी न किसी रूप में भक्ति की मनोकामना को पूर्ण करते है। उन्होने कहा कि गोविंद राधे भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना कभी भी निष्फल नही हुआ करती। उन्होने बताया कि भक्त को प्रभु के आनन्द स्वरूप का दर्शन कर यथायोग रूप में अपनी विशुद्ध पूजा समर्पित करनी चाहिए। कथा के संयोजक पं. शिवकृपाल शुक्ल व श्रीकृष्ण शुक्ल ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। इस मौके पर विद्याकांत मिश्र, विनोद मिश्र, आचार्य दिवाकर नाथ शुक्ल, केशवराम ओझा, भानु प्रताप सिंह, दिनकरनाथ शुक्ल, सदाशिव पाण्डेय, सभासद कैलाशनाथ तिवारी, राजकुमार विश्वकर्मा, धर्मराज पाण्डेय, मनोज श्रीवास्तव, शिवदीप मिश्र, शास्त्री सौरभ, डॉ. श्यामदुलारी सिंह, केतकी पाण्डेय, सत्यवती शुक्ला, निष्ठा शुक्ला, दिव्या द्विवेदी, साक्षी द्विवेदी, राज शुक्ल आदि रहे।

कथा को लेकर निकली कलश यात्रा, हुई पुष्पवर्षा

प्रतापगढ़। जलेशरगंज क्षेत्र के पनखरी गांव में श्रीमदभागवत कथा को लेकर शनिवार की सुबह भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। कथा व्यास दण्डीस्वामी श्री विनोदानन्द जी महराज के नेतृत्व में कलश यात्रा विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पहुंची। कलश यात्रा में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर श्रीराधेकृष्ण नाम जाप कर मधुर संकीर्तन भी करती दिखी। वहीं श्रद्धालु द्वारिकाधीश के जयघोष में मगन दिखे। संयोजक रामदुलारे यादव ने दण्डीस्वामी विनोदानंद जी का सम्मान किया। इस मौके पर पुत्तीलाल, अशोक कुमार, अजय कुमार, धनपत देवी, रामकृष्ण द्विवेदी, बबलू शुक्ला, रामगरीब मौर्य, प्रदीप, हरिश्चंद्र, राकेश आदि रहे।

दहेज के लिए विवाहिता को किया जा रहा प्रताड़ित, शिकायत

पट्टी। शादी के बाद से ही दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित किया जा रहा है। हद तब पार हो गई जब उसे करंट देकर जान से करने का प्रयास किया गया। किसी तरह जान बचाकर विवाहित अपने मायके पहुंची। ससुरालली जनों के विरुद्ध प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पट्टी क्षेत्र के चरैया गांव की रहने वाली शांति देवी ने बताया कि उसकी बेटी बविता की शादी दिलीपपुर थाना क्षेत्र के पिपरी खालसा गांव में हुई है। शादी की मध्यस्थता लल्ली देवी पत्नी मुन्ना हरिजन निवासी पुरे सुखचैन ने किया था। पीड़ित शांति देवी ने बताया कि उसकी बेटी को ससुरालीजन 50 हजार रुपये तथा एक बाइक की मांग करते हुए आए दिन मारपीट व प्रताड़ित करते रहे। दो दिन पूर्व बबिता को करंट लगाकर उसकी हत्या करने का भी प्रयास किया गया। ससुराली जनो की प्रताड़ना में शादी की मध्यस्थता करने वाली महिला भी सहयोग दे रही है। पीड़ित महिला ने शनिवार की दोपहर करीब दो बजे बेटी के साथ एसपी डॉक्टर अनिल कुमार को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। एसपी ने मामले की जांच कर कार्रवाई की आदेश दिया हैं।

40 वर्षों से गायब है पट्टी खास गांव का नक्शा व राजस्व अभिलेख, शिकायत डीएम से

पट्टी। राजस्व अभिलेख व नक्शा गायब होने की शिकायत डीएम से की गई है। डीएम ने मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पट्टी कस्बे के निवासी निर्मल श्रीवास्तव व सचिन सिंह ने डीएम प्रतापगढ़ को प्रार्थना पत्र देकर बताया है कि पट्टी खास वा बीबीपुर गांव का राजस्व अभिलेख व नक्शा करीब 40 वर्षों से गायब है। इस प्रकरण की दर्जनों शिकायत की गई पर इसका कोई निस्तारण नहीं हो पा रहा है। पूर्व में एक फोटोस्टेट नक्शा प्राप्त हुआ था। जिससे नाप जोख का काम लेखपाल के माध्यम से किया जाता रहा। पर अब वह भी नहीं मिल रहा है। राजस्व अभिलेख व नक्शा गायब होने से दोनों गांव के ग्रामीणों को दिक्कत का सामना करना पड़ता है। शनिवार को प्रकरण की शिकायत लेकर निर्मल श्रीवास्तव व सचिन सिंह ने डीएम से मुलाकात की। इस संबंध में डीएम प्रतापगढ़ शिव सहाय अवस्थी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि नक्शा रुड़की से बनता है। शिकायत मिली है प्रकरण की जांच कर उचित कार्रवाई कराई जाएगी।

आज होगा सशक्तीकरण सम्मान

लालगंज। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना के जन्मदिन पर आज रविवार को बाबा घुइसरनाथ धाम में सशक्तीकरण सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मध्यान्ह बारह बजे से आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने दी है।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर किया जा रहा उपचार

प्रतापगढ़। जनपद में संचालित 54 आयुर्वेदिक, 06 यूनानी एवं 47 होम्योपैथिक चिकित्सालयों के प्रभारी द्वारा ग्रामों में सप्ताह में एक दिवस आयुष आपके द्वार निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर क्षेत्रवासियों को आयुर्वेदध्यूनानी एवं होम्योपैथिक चिकित्सा का लाभ दे रहे है। साथ ही साथ घरेलू रसोई एवं औषधीय पौधों के माध्यम से आयुर्वेदिक लाभ हेतु जागरूक किया जा रहा है। चिकित्सकों के द्वारा योग एवं प्राणायाम से जीवन चर्या एवं स्वास्थ्य को सही रखने की भी सलाह दी जा रही है। निःशुल्क चिकित्सा शिविर में डाक्टरों द्वारा मरीजों की जांच कर उन्हें उपयुक्त दवाईयों का वितरण भी किया जा रहा है। आयुष आपके द्वार के माध्यम से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ लोगों को प्राप्त हो रहा है।

फसल सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम एकीकृत कीट प्रबन्धन : जिला कृषि रक्षा अधिकारी

प्रतापगढ़। जिला कृषि रक्षा अधिकारी अशोक कुमार ने कृषक भाईयों से कहा है कि फसल सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम एकीकृत कीट प्रबन्धन (आईपीएम) है। आईपीएम विधि अपनाये जिससे कृषि उत्पादन में आ रही विभिन्न व्याधियों का समुचित प्रबन्धन हो, लागत कम आये और पर्यावरण अनुकूल टिकाऊ खेती को बढ़ावा मिले। कृषि क्षेत्र में कीटों, रोगों और खरपतवारों को नियंत्रित करने की एक वैज्ञानिक पर्यावरण अनुकूल विधिक है। यह रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता कम करते हुये टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देता है। उन्होने बताया है कि कीटों की निगरानी हेतु फसल को नियमित रूप से जांचें और कीटोंध्रोगों की पहचान करें, फेरोमोन ट्रैप या स्टिकी ट्रैप का उपयोग करें व लाभदायक और हानिकार कीटों में अन्तर समझें। उन्होने निवारक उपाय के सम्बन्ध में बताया है कि स्वस्थ मिट्टी प्रबन्धन हेतु जैविक खाद, कम्पोस्ट और हरी खाद का प्रयोग करें, एक ही फसल बार-बार न लगायें, सही बीज चुनाव के तहत रोगरोधी किस्में बोएं, समय पर बुवाई और कटाई कर कीटों के जीवन चक्र को तोड़ें। उन्होने यांत्रिकध्भौतिक नियंत्रण के सम्बन्ध में बताया है कि हाथ से कीटों को इकट्ठा कर नष्ट करें, जाल, रिफ्लेक्टर टेप या बैरियर लगायें, खेत की सफाई रखें और सर्वमित पौधों को हटा दें। जैविक नियंत्रण के सम्बन्ध में उन्होने बताया है कि प्राकृतिक शत्रुओं (लाभदायक कीट) को बढ़ावा दें जैसे लड़ाकू कीट-लेडीबर्ड (एफिड खाने वाला), मकड़ी, परजीवी ततैया, जैविक कीटनाशक-नीम का तेल, बैसिलस ब्यूवेरिया बैसियाना का प्रयोग करें। रासायनिक नियंत्रण के सम्बन्ध में बताया गया है कि यदि अन्य विधियॉ असफल हो तो कम विषैले कीटनाशक (जैसे नीम आधारित) का सीमित उपयोग करें, कीटनाशकों का छिड़काव सही समय और सही मात्रा में करें। उन्होने आईपीएम के लाभ के सम्बन्ध में बताया है कि पर्यावरण और मिट्टी की सेहत सुरक्षित रहती है, लागत कम होती और उत्पादकता बढ़ऋती है, कीटनाशक प्रतिरोधकता कम होती है।

शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये : डीएम

पट्टी में 35 राजस्व शिकायतों का मौके पर कराया निस्तारण

अखंड भारत संदेश

जनशिकायतें सुनते जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में तहसील पट्टी में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। पट्टी तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 234 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से राजस्व विभाग की 35 शिकायते इस प्रकृति की पायी गयी जिनका डीएम ने मौके पर निस्तारण कराया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 234 शिकायतों में से 106 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 35, विकास विभाग से 38, समाज कल्याण से 02, शिक्षा से 01, स्वास्थ्य विभाग से 01 एवं 51 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार द्वारा सुना गया।

शिकायतकर्ता विजय बहादुर निवासी राजमलपुर ने शिकायत किया कि प्रार्थी द्वारा रास्ते को लेकर एक समझौता के आधार पर अपनी भूमिधरी गाटा संख्या 474/0.0350 में सहभूमिधर है। विपक्षी दयाशंकर से आपसी सहमति से रास्ते का निर्माण हुआ कि मैं आपकी भूमि से रास्ता दे दूंगा और आप अपनी भूमि में रास्ता दे देगें, रास्ता बन गया और प्रार्थी के घर तक रास्ता खण्ड़न्जा भी बन गया लेकिन विपक्षी अब प्रार्थी के रास्ते को पानी आदि भरकर अवरूद्ध कर दिया है और आने जाने से मना कर दिया है, इस प्रकरण पर डीएम ने उपजिलाधिकारी पट्टी को निर्देशित किया कि प्रकरण की जांच कर यथाशीघ्र शिकायत का निस्तारण कराया जाये। इसी प्रकार सम्पूर्ण समाधान में प्राप्त अन्य शिकायतों के सम्बन्ध डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन विभागों की 02 या उससे कम शिकायतें है वह सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरान्त मौके पर जाकर आज ही शिकायतों का निस्तारण कराते हुये तहसील को सूचित करें तथा जिन विभागों की 02 से अधिक शिकायतें आयी है वह कम से कम 02 शिकायतों का निस्तारण अवश्य करें, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरते। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा अनुरूप शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से ससमय किया जाये, शिकायकतकताओं की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये। उन्होने निर्देशित करते हुये कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आये जमीनी विवादों के शिकायतों को राजस्व और पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर बिना किसी पक्षपात के उन शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये। कोई भी गरीब व्यक्ति किसी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने पाये, इसका विशेष ध्यान दिया जाये। इस अवसर पर परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, तहसीलदार सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक विश्वनाथगंज ने पाइप पेयजल योजना बरहुआ भोजपुर का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

निरीक्षण करते विधायक विश्वनाथगंज

प्रतापगढ़। विधायक विश्वनाथगंज जीतलाल पटेल द्वारा विधानसभा विश्वनाथगंज के अंतर्गत जल जीवन मिशन हर घर जल योजनान्तर्गत निर्मित पाइप पेयजल योजना बरहुआ भोजपुर का निरीक्षण किया गया। विधायक द्वारा जलकल परिसर में निर्मित पम्प हाउस, शिरोपरि जलाशय, सोलर पैनल एवं अन्य कार्यों को देखा गया जोकि समस्त कार्य पूर्ण कर लिये गये है। इस योजना से बरहुआ भोजपुर ग्राम पंचायत के सभी 12 मजरों में सप्लाई किया जा रहा है। योजना अंतर्गत नलकूप 1 नग, पम्प हाउस 1 नग, शिरोपरि जलाशय 150 किलीध्16 मी, सोलर पैनल 20 किलोवॉट, जनरेटर 20 केवीए, पाइप लाइन 12.96 किमी0, हाउस कनेक्शन 378 नग कराया गया है। विधायक विश्वनाथगंज द्वारा ग्रामवासियों से संवाद किया गया तो ग्रामवासियों द्वारा अवगत कराया गया कि पेयजल सप्लाई रेगुलर होती है। निरीक्षण के दौरान विधायक ने निर्देशित किया कि ग्रामवासियों को शेष गृह संयोजन का कार्य पूर्ण कराते हुए पेयजल सप्लाई रेगुलर एवं सुचारू रूप से सुनिश्चित कराये एवं कोई समस्या होने पर उसका तत्काल निस्तारण कराये। निरीक्षण के समय अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) तौसीफ अहमद, जूनियर इंजीनियर ओम प्रकाश, कार्यरत फर्म के सहा0महाप्रबन्धक जनार्दन त्रिपाठी एवं फर्म के ब्लाक इंचार्ज, पूर्व ग्राम प्रधान रामसिंह तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बेटी की मौत के मामले में डीजी से इंसाफ की फरियाद

प्रतापगढ़। सांगीपुर थाना क्षेत्र के पहाडपुर निवासी जगमोहन वर्मा की पत्नी गीता देवी ने पुलिस महानिदेशक को ऑनलाइन शिकायती पत्र भेजकर अपनी बेटी स्वाती की प्रताड़ना के चलते हुई मौत की घटना में इंसाफ की फरियाद की है। पीड़िता ने शिकायती पत्र में कहा है कि बीती चैदह अप्रैल को शाम चार बजे उसकी बेटी जहर खाने से मौत हो गयी। शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि मृतका के मोबाइल की छानबीन करने पर गांव के ही एक आरोपी द्वारा मृतका को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म की बात सामने आयी है। पीडिता का यह भी आरोप है कि पुलिस ने तहरीर देने पर आरोपियो ने उसके साथ गालीगलौज करते हुए शिकायती पत्र वापस न लेने पर जानलेवा धमकी दी है। सीओ रामसूरत सोनकर का कहना है कि शिकायती पत्र की जांच कराकर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सेवानिवृत हुए शिक्षकों को सम्मानित कर दी गई विदाई

सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक

पट्टी। बीआरसी केंद्र शीतलाबंज बाबा बेलखरनाथधाम में सम्मान समारोह आयोजित कर सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी बाबा बेलखरनाथधाम विजय स्वरूप निगम रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष रमाशंकर शुक्ल, मंत्री अजीत कुमार, कोषाध्यक्ष रामराज पाल एवं संगठन के पदाधिकारियों के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवानिवृत हुए शिक्षकों को खण्ड शिक्षा अधिकारी ने प्रतीक चिन्ह एवं अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। सेवानिवृत शिक्षक बाल गोविंद, कलीमुल्ला, विद्यानंद मिश्र, शकील अहमद, अब्दुल बारी का सम्मान किया गया। इस दौरान शिक्षक अतुल कुमार पाण्डेय, अंबिकेस पाण्डेय, शिवकुमार पाण्डेय, जगदीश, शब्बीर, संजय यादव, आशुतोष सिंह, स्वदेश सिंह, रमेश तिवारी, मनोज तिवारी, दिनेश वर्मा, शिक्षिक वंदना सिंह, प्रतिमा श्रीवास्तव, प्रीती मिश्रा, गीता सिहं, अंशु मौर्य, गुप्ता राजेश्वरी, ज्योति त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

बंगाल में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में भरी हुंकार

विश्व हिन्दू परिषद ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

विरोध प्रदर्शन करते विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारी व कार्यकर्ता

प्रतापगढ़। पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद के नेतृत्व में शनिवार को जिला कचेहरी में भारी संख्या में एकत्रित हुए पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने प्रदर्शन कर महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित चार सूत्रीय मांगों का ज्ञापन डीएम को सौंपा। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ बोर्ड के आंड़ में मुस्लिम दंगाइयों ने हिन्दू बस्तियों को चिन्हित करके हिंसक आक्रमण किया, जिसमें सैकड़ों हिन्दू के घरों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को जला दिया। उक्त घटना से हजारों हिन्दुओं को पलायन करना पड़ा। इस घटना की जिसकी जितना निंदा की जाए कम है। वक्ताओं ने कहा कि हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार पर जो सरकार अंकुश ना लगा सके उसे इस्तीफा दे देना चाहिए। और केंद्र सरकार को ऐसी दशा राष्ट्रीय हित में राष्ट्रपति शासन लागू करना चाहिए। प्रदर्शन का संचालन विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री मनीष रावत ने किया। इस मौके पर प्रमुख विहिप जिलाध्यक्ष नागेन्द्र मिश्र, कुण्डा अध्यक्ष संजय उपाध्याय, जिला मंत्री मनीष रावत, विभाग संघचालक रमेशचन्द्र त्रिपाठी, विभाग कार्यवाह हरीश, जिला कार्यवाह हेमन्त कुमार, महेश कुमार गुप्ता, अधिवक्ता परिषद के महामंत्री शिवेश शुक्ल, रवि सिंह, प्रदीप पांडेय, भाजपा जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, महामंत्री पवन गौतम व राजेश सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया पैनिलिस्ट राकेश सिंह, सतीश दूबे, बजरंग दल जिला संयोजक प्रिन्स, जिला सह मंत्री अम्बिकेश तिवारी, सुधांशु रंजन मिश्र, अजीत सिंह, रमेश सिंह पटेल, स्वतंत्र पाण्डेय, जिला प्रचार प्रमुख सुदीप रावत, नगर संयोजक बजरंग दल रजनीश सिंह, निराला मिश्रा,राजू सेठ, रोहित उपाध्याय, ज्ञानेन्द्र बिहारी, सौरभ, कार्तिकेय द्विवेदी, महेन्द्र मिश्र, सन्दीप गुप्ता, महेश गुप्ता, रामनाथ यादव, राजन तिवारी, आशीष त्रिपाठी, अनमेश सिंह, वेद प्रकाश शर्मा, सन्दीप सिंह, हिमांशु सिंह, आयुष द्विवेदी, आशीष शुक्ला समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

पिलर तोड़ने व मारपीट में आठ पर केस

प्रतापगढ़। पिलर तोड़ने व मारपीट की घटना को लेकर लीलापुर पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लीलापुर थाना क्षेत्र के कोड़रा मांदूपुर गांव निवासी रामअधार के पुत्र रामलखन ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि तेरह अप्रैल को गांव के छोटू के पुत्रगण कुंजीलाल व बच्चूलाल, वंशीलाल व वंशीलाल के पुत्र विश्वास तथा बच्चूलाल की पत्नी चटकीला व पुत्र नरसिंह, विश्वास की पत्नी सीमा तथा संदीप की पत्नी वंदना एकराय होकर उसके जमीन पर बनाए गए पिलर को तोडने लगे। विरोध करने पर आरोपियो ने गालीगलौज करते हुए मारपीट किया। एसओ अरूण सिंह का कहना है कि मामले में जांच के बाद आठ आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

छः सौ अधिवक्ता संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव में करेंगे मतदान

लालगंज। संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव में इस वर्ष दीवानी एवं तहसील में विधि व्यवसाय करने वाले छः सौ अधिवक्ता मतदान कर सकेंगे। चुनाव समिति की हुई बैठक में शनिवार को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। मतदाता सूची के प्रकाशन होते ही तहसील परिसर में चुनाव गहमागहमी का माहौल सरगर्म भी दिखा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए समिति के अध्यक्ष देवी प्रसाद मिश्र ने बताया कि रविवार को नामांकन पत्रों का चुनाव समिति कार्यालय में पूर्वान्ह ग्यारह बजे से एक बजे तक वितरण किया जाएगा। बैठक का संचालन महामंत्री विकास मिश्र ने किया। समिति के प्रवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने बताया कि आपत्तियों के निस्तारण के बाद अर्ह न पाए जाने वाले तिरान्नवे सदस्यता आवेदन पत्रों को निरस्त किया गया है। चुनाव में कुल अड़तालिस नये आवेदन पत्रों को मंजूरी समिति द्वारा दी गयी है। इस मौके पर एल्डर कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, शिवाकांत उपाध्याय, वीरेन्द्र सिंह, अजय शुक्ल गुडडू, रामलगन यादव, प्रमोद सिंह, कमलेश तिवारी, रमेश पाण्डेय, करूणाशंकर मिश्र, इरफान, राजेन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा मौजूद रहे।

पीएमएफएमई योजना में फूड प्रोसेसिंग इकाई लगाने हेतु 1326 का भौतिक लक्ष्य मिला

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया है कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में फूड प्रोसेसिंग इकाई लगाने हेतु 1326 का भौतिक लक्ष्य प्राप्त हुआ हैं इच्छुक कृषकध्उद्यमी नई यूनिट ओडीओपी के चयनित फसल आंवला की फूड प्रोसेसिंग की स्थापना एवं अन्य इकाईयां जैसे टमाटर-केचप, प्यूरी, सॉस आदि तथा फ्रोजन मटर आदि की प्रसंस्करण इकाईयां एवं खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित इकाईयॉ जो पहले से संचालित है जैसे बेकरी उद्योग, अचार मुरब्बे की फैक्ट्री, फ्लोर मिल, आयल मिल, पल्स मिल, डेयरी, पशु आहार, मिठाई उद्योग आदि के स्थापनाध्उच्चीकरण हेतु लागत का 35 प्रतिशत एवं अधिकतम 10 लाख प्रति उद्यम के अनुदान की सुविधा है। इच्छुक व्यक्ति उद्यान विभाग से सम्पर्क कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है।

कौशाम्बी संदेश

झगड़े के दौरान एक वृद्ध की मौत दो लोग गंभीर घायल

परिवार के लोग लगा रहे हैं पीट पीटकर वृद्ध की हत्या का आरोप

अखंड भारत संदेश

कड़ा कौशाम्बी सैनी कोतवाली क्षेत्र के त्रिलोकपुर गाँव में शनिवार की रात्रि लगभग 8:30 बजे एक परिवार पर हमला कर दिया गया है हमले के दौरान एक वृद्ध की मौत हो गई है और महिला सहित दो लोग गंभीर घायल हैं हमले की जानकारी मिलते ही मौके पर थाना पुलिस पहुँची है और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है। डॉक्टर का कहना है की वृद्ध के शरीर में कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं हालांकि परिवार के लोग वृद्ध की पीट पीटकर हत्या किए जाने का आरोप लगा रहे हैं घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक राम भवन उर्फ दरोगा उम्र 75 वर्ष पुत्र अलोपी निवासी त्रिलोकपुर थाना सैनी का गांव के कुछ लोगों से जमीन का विवाद चल रहा है इसी विवाद को लेकर के दूसरे पक्ष के आधा दर्जन से अधिक लोगों ने राम भवन के परिवार पर शनिवार की रात्रि 8:30 बजे अचानक हमला बोल दिया ईंट पत्थर लाठी डंडे से दौड़ा दौड़ा कर परिवार के लोगों को पीटा गया इस हमले में कन्या देवी पत्नी निरंजन लाल को गंभीर चोटे आई हैं वहीं दूसरा व्यक्ति शिव कुमार को भी चोट लगने से हमले में घायल है हमले के दौरान राम भवन अचानक तड़पकर जमीन में गिर पड़ा और उसकी दर्दनाक मौत हो गई है परिवार के लोग राम भगवान के ऊपर हमला कर हत्या किए जाने का आरोप लगा रहे हैं वहीं पुलिस और डॉक्टर राम भवन की मौत को हार्ट अटैक करार दे रही है राम भवन की मौत कैसे हुई है यह तो जांच का विषय है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही राम भवन की मौत से पर्दा उठ सकेगा पुलिस ने राम भवन के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया है लेकिन जिस तरह से जमीन के विवाद में दूसरे के घर पर चढ़कर रात में हमला किया गया है खुलेआम गुंडाई और नग्न ताण्डव किया गया है यह कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है।

बाइक सवार पिकअप ने मारी टक्कर एक की मौत, एक घायल

कौशांबी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के घड़ीयालपुर के पास शुक्रवार को बाइक से जा रहे दो युवकों को तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी और फरार हो गई हादसे में एक युवक को इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई दूसरा गंभीर घायल है जानकारी के मुताबिक सैनी कोतवाली क्षेत्र के कोरियों गांव के मजरा धराई का पुरवा निवासी अभिमन्यु सिंह उम्र 18 वर्ष पुत्र जयसिंह अपने साथी दारा सिंह उम्र 20 वर्ष पुत्र रामसिंह के साथ बाइक से सैनी जा रहे थे। जैसे ही इनकी बाइक कड़ा धाम थाना के घड़ियाली पुर मजरा सौरई बुजुर्ग के पास पहुंची पीछे से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दिया। घटना में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए,मौके पर पहुंची कड़ा धाम पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से गंभीर स्थिति में दोनों युवकों को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इस्माइल पुर पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को गंभीर स्थिति में जिला अस्पताल रेफर भेज दिया जहाँ इलाज के दौरान गंभीर घायल अभिमन्यु की मौत हो गई अभिमन्यु दो भाई में बड़ा था,और मेहनत मजदूरी करता था। अभिमन्यु की मौत से परिवार कोहराम मच गया दूसरी तरफ जय सिंह भी जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है घटना को अंजाम देने के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

न्यूज झरोखा

पूर्व विधायक संजय गुप्ता ने शुरू की जनसुनवाई

कौशाम्बी। निवर्तमान विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने अपने पेट्रोल पंप देव फिलिंग स्टेशन स्थित जनसुनवाई कार्यालय में प्रत्येक शनिवार के भांति आज जनसुनवाई का कार्यक्रम किया जिसमें लगभग 27 शिकायती पत्र प्राप्त हुई जिसमें ज्यादातर शिकायत जमीन से विवादित शिकायती पत्र प्राप्त हुए श्री गुप्ता ने तत्काल शिकायतों से संबंधित अधिकारियों से फोन के माध्यम से वार्ता कर अति शीघ्र शिकायत निस्तारण के लिए कहा शिकायतों में मुख्य रूप से बालिहावों से रेखा गुप्ता ने शिकायती पत्र देते हुए बताया कि मेरे पति सुरेश की 4 वर्ष पूर्व मृत्यु हो गई है परंतु लेखपाल ने अभी तक वरासत नहीं किया साथ ही पीड़ित महिला ने बताया कि मेरे पति के गुजर जाने के बाद आज तक राशन कार्ड नहीं बन पाया जिससे बच्चों का पालन पोषण में असुविधा होती है पूर्व विधायक संजय कुमार गुप्ता ने सहायता राशि देते हुए कहा कि आपकी समस्त समस्याओं का अति शीघ्र निस्तारण कराऊंगा। राजेश साहू रसूलपुर बदले से जमीन की विवाद का शिकायती पत्र दिया रजनी सरोज से बेटी के विवाह हेतु सहायता मांगी राजकुमार ने पारिवारिक विवाद की शिकायती पत्र दिया संजय कुमार गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर अति शीघ्र समस्त शिकायतों का निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया जनसुनवाई में प्रमुख रूप से सम्मानित जन उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन ने पल्लेदार को रौंदा, हुई दर्दनाक मौत

अझुवा कौशांबी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा रसूल पुर (मढिया मई)मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग में बीती रात अज्ञात वाहन ने पल्लेदारी कर घर जा रहे मजदूर को रौंद दिया जिससे पल्लेदार युवक की दर्दनाक मौत हो गई सूचना पर पहुंची अझुवा चौकी पुलिस कागजी कार्रवाई में जुट गई। घटनाक्रम के मुताबिक नगर पंचायत अझुवा वार्ड नंबर 4 मढिया मई रसूल पुर निवासी दुर्गेश कुमार उम्र करीब 32 वर्ष पुत्र स्व. मंगल लोधी पल्लेदारी कर घर वापस जा रहा था ज्यों ही मोक्ष धाम मोड पर पहुंचा कानपुर से प्रयागराज लेन में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मारते हुए कुचल दिया जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।सूचना पर पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। मृतक चार भाइयों में सबसे बड़ा और शादी शुदा था लेकिन पत्नी अनबन के कारण कई वर्षों से मायके ही रहती है। मौत की सूचना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

अझुवा कौशांबी सैनी कोतवाली के आदर्श नगर पंचायत अझुवा में एक व्यक्ति की अचानक तबीयत बिगड़ने से इलाज के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है,युवक की संदिग्ध मौत से वार्ड में तरह तरह की चचाएँ हैं आदर्श नगर पंचायत अझुवा वार्ड नंबर 4 मढिया मई (रसूल पुर) निवासी विनोद कुमार उम्र 35 वर्ष पुत्र श्री नाथ नगर पंचायत में पल्लेदारी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था बीती शाम विनोद पल्लेदारी कर अपने घर वापस जा रहा था रास्ते में अचानक तबियत बिगड़ गई जिससे वह गिर गया मामले की जानकारी युवक के परिजनों को मिली तो वह नगर पंचायत के नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया जहां गंभीर स्थित देख डॉक्टर ने रिफर कर दिया परिजन किसी तरह सिराथू के किसी निजी अस्पताल ले गए। आर्थिक तंगी से परिजन युवक को वापस घर लाए जहां युवक की मौत हो गई मृतक की पत्नी आशा देवी ने बताया मेरे पति को बहुत दिनों से मिर्गी की बीमारी थी मृतक के दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं जिनका रो-रो कर बुरा हाल है ।परिजनों ने बगैर पुलिस को सूचना दिए शनिवार को शव का अंतिम संस्कार कर दिया वहीं वार्ड वासियों की माने तो युवक ने जहरीला पदार्थ निगला था।

समाधान दिवस में 97 शिकायतो में 6 का हुआ निस्तारण

जनशिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करने के डीएम एसपी ने दिए निर्देश

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिले के सभी तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने तहसील मंझनपुर में जनशिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दियें। जिलाधिकारी ने राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर शिकायत को निस्तारित करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को तहसील दिवस एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए गुणवत्तापूर्ण समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी शिकायत लम्बित न होने पाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 47 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 03 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। समाधान दिवस में सज्जन सिंह पुत्र बाबू लाल द्वारा प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि प्रार्थी की भूमि पर गेहूँ की फसल को काटने में विपक्षीगण द्वारा जबरन विवाद कर रहे है, दंबग यशवन्त सिंह व गोपी सिंह पुत्र रामनाथ हिनौता द्वारा गेहूँ व सरसों की फसल को काटने में विरोध/लडाई पर अमादा है जिसमें प्रार्थी द्वारा गेहूँ की फसल काटने की अनुमति चाहता है जिस पर जिलाधिकारी ने एसएचओ को जॉच कराकर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार एडवोकेट आशीष कुमार त्रिपाठी पुत्र महेश नारायण त्रिपाठी निवासी भेलखा के गॉव की खतौनी की फीडिंग लगभग एक साल से चल रही है जिससे गॉव वालों को समस्याओं का सामना करना पड रहा है। जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी मंझनपुर को जॉच कराकर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। तहसील चायल में कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 01 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया तथा तहसील सिराथू में कुल 27 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी प्रबुद्ध सिहं, अपर पुलिस अधीक्षक,उप जिलाधिकारी मंझनपुर, सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बजरंग दल की जिलास्तरीय बैठक सिराथू में हुई आयोजित

कड़ा कौशाम्बी। राष्ट्रीय बजरंग दल की एक बैठक शनिवार को सिराथू कस्बे के महाविद्यालय में आयोजित की गई संगठन महामंत्री श्रीमान ईश्वरी प्रसाद ने जिले एवं ब्लाक के सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक करके जिले में हनुमान चालीसा केंद्रों की संख्या के साथ साथ जिले में संगठन के विस्तार पर भी चर्चा की,जिसमें राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष यशराज मिश्रा ने बताया कि जल्द ही कौशाम्बी में नए स्तर से कौशाम्बी में टीम गठित की जा रही है वही राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांत अध्यक्ष नरेंद्र शास्त्री ने युवाओं को संगठन के होने वाले प्रशिक्षण वर्ग के लिए भी प्रोत्साहित किया, साथ ही राजवीर मौर्य को जिलाध्यक्ष गौरक्षा परिषद बनाया गया इस दौरान राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष यशराज मिश्रा, जिला महामंत्री अनुराग भट्ट , अंकुश मिश्रा शिवम साहू कड़ा ब्लाक अध्यक्ष प्रमोद पांडेय ब्लॉक महामंत्री मान सिंह मौर्य अनिवेश सिंह अनुज शुक्ला अनुज मौर्य विक्रम सिंह, राघव पंडा शिवांश द्विवेदी हिमांशु मिश्रा सागर मौर्य संदीप दुबे हरदीप पटेल अमन पटेल,राम करन मौर्य सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ट्रक में लगी आग खलासी चालक झुलसे

हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आई दिव्यांगों के लिए ट्राई साइकिल उतारने जा रही ट्रक

कौशाम्बी। दिव्यांग जनों को दिए जाने वाले ट्राई साइकिल को लेकर उसे कौशांबी में उतरने आई ट्रक हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गयी जिससे ट्रक में आग लग गई और तेज लपट के साथ ट्रक जलकर खाक हो गयी ट्रक में रक्खी ट्राई साइकिल भी जल गई अचानक ट्रक में लगी आग के चलते ड्राइवर खलासी ने कूद कर जान बचाई लेकिन तब तक ड्राइवर खलासी दोनों झुलस गए थे जिनमें खलासी की हालत गंभीर बताई जाती है ट्रक में आग लगी देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे हो हल्ला मचाया घटना स्थल पर भीड़ गई मामले की सूचना थाना पुलिस और एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड को दी गई जब तक मौके पर फायर ब्रिगेड पहुंची तब तक ट्रक और उसमें रक्खी ट्राई साइकिल जलकर खाक हो गई मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल खलासी और चालक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक प्रतापगढ़ जनपद के रानीगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले मंजीत यादव पुत्र पृथ्वी पाल यादव ट्रक चालक है और अपने साथ खलासी ऋतिक धुरिया पुत्र देवी प्रसाद धुरिया निवासी थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ़ को लेकर ट्रक में ट्राई साइकिल उतारने कौशांबी जनपद आए थे जैसे ही ट्रक चालक जनपद मुख्यालय मंझनपुर के ओसा वृद्ध आश्रम के पास पहुंचे ऊपर से गुजर रहे हाई वोल्टेज तार को देख नहीं सके और ट्रक में रखी ट्राई साइकिल हाई वोल्टेज तार में छू गई जिससे ट्रक में करंट ऊपर आया और आग लग गई इस अग्नि कांड में तेज लपट के साथ ट्रक और उसमें रखी ट्राई साइकिल जलने लगी घटना दिल दहला देने वाली थी दुर्घटना मैं चालाक और खलासी भी झुलस गए हैं घायल खलासी और चालक का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है जहां खलासी की हालत गंभीर बताई जाती है घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई और बचाव एवं राहत कार्य में लगी है मौके पर आधा घंटा बाद पहुंची फायर ब्रिगेड ने जलती ट्रक में पानी डालकर आग पर काबू पाया है।

फर्जी खुलासा कर वर्दी को कलँकित कर रही चरवा पुलिस की सीसीटीवी कैमरे ने खोल दी करतूत

मूर्ति चोरी के असली गुनहगार को छोड़ने के लिए चरवा पुलिस ने रची फर्जी खुलासे की कहानी

कौशाम्बी। पुलिस अफसरो के बार-बार निर्देश के बाद भी चरवा थाना पुलिस मनमानी करने से बाज नहीं आ रही है क्षेत्र में बढ़ते अपराध पर रोक लगाने में नाकाम चरवा पुलिस अब तो फर्जी खुलासे करके पुलिस वर्दी को कलंकित करने पर उतारू है मूर्ति चोरी की घटना में चरवा पुलिस के फर्जी खुलासे की सीसीटीवी कैमरे की फुटेज ने चरवा पुलिस की करतूत को खोल दिया है जिससे एक बार फिर पुलिस वर्दी शर्मसार हो रही है पुलिस ने जिस तरह से मनगढ़ंत कहानी गढ़ करके मूर्ति चोरी का खुलासा किया एक बार तो आम जानता ने यही समझा कि पुलिस में बड़ी घटना का खुलासा कर दिया है लेकिन बाद में पता चला कि जिस मूर्ति को पुलिस ने बरामद किया है वह पीतल की मूर्ति है और मूर्ति चोरी की घटना में मोहम्मद आरिफ को पुलिस ने गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया था जहां से उसे जेल भेज दिया गया लेकिन जमानत प्रार्थना पत्र की सुनवाई के दौरान जब मोहम्मद आरिफ के अधिवक्ता ने घटनास्थल की सीसीटीवी कैमरे की फुटेज दिखाते हुए अदालत से जमानत दिए जाने की याचना की तो अदालत ने दूसरे दिन ही आरोपी को जमानत दे दिया है। 14 अप्रैल को 8:13 बजे पर चरवा थाना के सैय्यद सरावा पुलिस चौकी इंचार्ज फोर्स के साथ मोहम्मद आरिफ के घर पहुंचे और उसे पुलिस वाहन की मरम्मत करने की बात कह कर अपने साथ बुला ले गए उस समय पुलिस को उसके कब्जे से कुछ नहीं मिला यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जब पुलिस को एहसास हुआ कि वहां सीसीटीवी कैमरा लगा है और सब कुछ सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है तो सबूत नष्ट करने के मकसद से उसी दिन डेढ़ घंटे बाद फिर चरवा पुलिस आरोपी के घर पहुंची और सीसीटीवी कैमरे को उठा ले गई आरोपी की मां ने बताया कि चरवा पुलिस अपने साथ मूर्ति लेकर आई थी और उसके घर में मूर्ति रख कर फोटो खींचकर घटना को हकीकत में बदलने की कोशिश की है और अलमारी का ताला तोड़कर 20000 भी उठा ले गई है मामले की शिकायत उसी दिन आईजीआरएस के साथ-साथ अन्य माध्यम से पुलिस अधिकारियों से पीड़ित परिवार के लोगों ने की। पड़ोस में अन्य घरों में सीसीटीवी कैमरे लगे थे पुलिस के सीसीटीवी कैमरे ले जाने और कथित आरोपी को पकड़ कर ले जाने की घटना भी दूसरे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जिसमें सीसीटीवी कैमरा और आरोपी को लेकर जाते चरवा पुलिस दिखाई पड़ रही है पुलिस को इस बात का एहसास नहीं था वरना चरवा पुलिस दूसरे घर के भी सीसीटीवी कैमरे को उठा ले जाती और सबूत को नष्ट कर देती। सूत्रों की माने तो घटना के मुख्य अभियुक्त को छोड़ने के लिए इस घटना के खुलासे में मनगढ़ंत कहानी रचकर मोहम्मद आरिफ को चरवा पुलिस ने जेल भेजा है और मुख्य अभियुक्त को छोड़ दिया है।

ममता बनर्जी की पश्चिम बंगाल सरकार हिंदू विरोधी : अवधेश

जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंप राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग

कौशाम्बी। पश्चिम बंगाल में हिंसा सरकार प्रायोजित है जिस तरह से हिंदुओं का उत्पीड़न हो रहा है और राज्य की सरकार मुख्य दर्शक बनी हुई है यह इस बात को दिखाता है कि कैसे सरकार हिंदुओं को कत्ल कराकर उन्हें पश्चिम बंगाल से खत्म करना चाहती है। हिंदू सरकार को तत्काल मामले को संज्ञान लेते हुए पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए उक्त बातें विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष अवधेश नारायण शुक्ला ने शनिवार को जिला मुख्यालय में ज्ञापन सौंपते हुए कही। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बंगाल में हिंदुओं के उत्पीड़न से पूरा भारत नहीं अपित पूरे विश्व का हिंदू दुखी है। और जिस तरीके से पुलिसिया संरक्षण में हिंदुओं की हत्या हो रही है वहां पर हिंदुओं के बहन बेटियों की इज्जत की साथ खेला जा रहा है, वह बर्दाश्त से बाहर है। बोलते हुए संगठन के जिला सह मंत्री वेद प्रकाश सत्यार्थी ने कहा कि आज जरूरत हो गई है कि पूरे पूरे विश्व का हिंदू पश्चिम बंगाल में हो रहे अन्याय के खिलाफ खड़ा हो। इस मौके पर सभी मौजूद लोगों ने एक स्वर में पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग की। इस मौके पर प्रमुख रूप से रुपेंद्र शर्मा, शिवम पांडे, दीपक मौर्य, पुष्पेंद्र पांडे, नीलमणि, सर्वेश पटेल, पंकज पटेल, शिवा, हनुमान, दीपक वर्मा सहित दर्जन से ज्यादा लोग मौजूद रहे।

मुकदमा वापस न करने पर आरोपी के परिजनो ने की फायरिंग, वीडियो हुआ वाइरल

पीड़ित के घर में ईट , पत्थर से हमला चार घायल,दस पर केस

कड़ा कौशांबी। सैनी कोतवाली के चक जमीन महजूबा काजीपुर गांव में शनिवार की दोपहर पीड़ित के घर आरोपी के पड़ा ने ईट पत्थर से हमला चार लोगों को घायल कर दिया। इस दौरान तमंचे से फायरिंग कर मुकदमा न वापस लेने पर जान से मार देने की धमकी दी है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दस लोगों पर केस दर्ज किया है। काजीपुर गांव में पांच अप्रैल को एक युवक 15 वर्ष की किशोरी को बहला फुसला कर भाग ले गया। जिस पर पिता की तहरीर पर पुलिस ने युवक के खिलाफ अपहरण का मुकदमा पंजीकृत किया। शनिवार के दोपहर आरोपी के परिजनों ने पीड़ित के घर में ईट व पत्थर से हमला कर दिया जिसमें पति-पत्नी सहित चार घायल हो गए। तमंचे से फायरिंग कर मुकदमा वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना का वीडियो फेसबुक व व्हाट्सएप ग्रुप में प्रसारित हो रहा है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने गांव के दिनेश पुत्र मेवा लाल, मेवालाल पुत्र परऊ ,उमेश पुत्र मेवा लाल, गणेश, रवि ,शिवबाबू पुत्र उमेश, अर्जुन पुत्र पप्पू पुत्र गजऊ व पप्पू की पत्नी और मेवालाल की पत्नी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

किशोरी को भगाने में सैनी के युवक पर केस

कड़ा कौशांबी। कोखराज थाना के एक गांव से चार दिन पहले किशोरी को भगाने के आरोप में पुलिस ने सैनी के युवक पर केस दर्ज किया है। नाबालिक की मां की तहरीर पर कार्रवाई करते हुए पुलिस जांच में जुट गई है । कोखराज थाना क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया 15 अप्रैल को सैनी कोतवाली क्षेत्र का एक युवक उसकी 15 वर्षीय बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले गया। काफी दिन के बाद बेटी का पता नहीं चल सका है महिला की तहरीर पर कोखराज पुलिस ने सैनी के रूपनारायनपुर गोरियों गांव के श्याम मिलन के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है।

सिराथू ब्लॉक में लाखों की चोरी से हड़कंप

कौशाम्बी मंझनपुर ब्लॉक में सरकारी अभिलेख जलाए जाने के मामले की जांच अभी खत्म नहीं हुई कि सिराथू में सरकारी लैपटॉप चोरी हो गया है जिससे सरकारी रिकॉर्ड सब गायब हो गए हैं इसके कई वर्ष पहले कड़ा विकासखंड में भी सरकारी अभिलेखों में आग लग गई थी इस मामले के भी दोषियों को दंड नहीं मिला है मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में भी आग लगने से सब कुछ सरकारी अभिलेख खत्म हो गए हैं आखिर बढ़ते भ्रष्टाचार के बीच सरकारी अभिलेखों को कौन नष्ट करवा रहा है किसके दबाव में सरकारी अभिलेख नष्ट करके भ्रष्टाचार के सबूत समाप्त किया जा रहे हैं यह बड़ी जांच का विषय है सैनी थाना क्षेत्र के सिराथू ब्लॉक परिसर स्थित एडीओ पंचायत कार्यालय में शनिवार को चोरी की वारदात हुई। चोरों ने कार्यालय का ताला तोड़कर लैपटॉप, बैटरी, इन्वर्टर जरूरी दस्तावेज की चोरी कर ली। सुबह जब कर्मचारी कार्यालय पहुंचे तो उन्होंने देखा कि एडीओ पंचायत कार्यालय का ताला टूटा हुआ है कार्यालय के अंदर का सामान बिखरा हुआ था कर्मचारियों ने तुरंत 112 नम्बर डायल किया और सिराथू चौकी की पुलिस को घटना की सूचना दी।मौके पर पुलिस पहुंची और जांच कर पुलिस चोरों की तलाश में लुट गई। पुलिस ब्लॉक में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच कर रही है। चोरी की इस वारदात से ब्लॉक में हड़कंप बचा हुआ है।

केपीएस भीटी में इंटरहाउस क्विज प्रतियोगिता में वहीं हेलो किड्स भरवारी में इंग्लिश पोएम प्रतियोगिता में नन्हें बच्चों ने बिखेरा हुनर

कौशाम्बी। केपीएस भीटी में आज का दिन विद्यार्थियों के लिए ज्ञान और प्रतिभा के प्रदर्शन का अद्भुत अवसर लेकर आया। एक ओर जहाँ वरिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों के लिए इंटरहाउस क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, वहीं दूसरी ओर हेलो किड्स भरवारी में नन्हे बच्चों के लिए इंग्लिश पोयम कंपीटिशन आयोजित किया गया।विद्यालय के प्रांगण में आयोजित इस ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता में कक्षा 10वी 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता के विभिन्न राउंड जैसे रैपिड फायर, पिक द राइट ऑप्शन, और ऑडियो-विजुअल राउंड ने विद्यार्थियों की जानकारी, तर्कशक्ति और त्वरित निर्णय क्षमता की परख की। प्रतियोगिता करंट अफेयर्स, साइंस व टेक्नोलॉजी और स्पोर्ट्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित थी। सभी हाउसों ने शानदार प्रदर्शन किया, परंतु अंततः ग्रीन हाउस ने सर्वश्रेष्ठ समन्वय और सटीक उत्तरों के साथ विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।ग्रीन हाउस की टीम में कक्षा 11 साइंस से सिमरन कक्षा 10वी से साक्षी मौर्य, तन्मय, विवेक पाण्डेय और वैष्णवी शामिल थे। हेलो किड्स भरवारी में इंग्लिश पोएम प्रतियोगिता में नन्हें मुन्नों का आत्मविश्वास देखते ही बनता था हेलो किड्स भरवारी शाखा में आज एक मनमोहक आयोजन हुआ, जिसमें नर्सरी, जूनियर केजी और सीनियर केजी के बच्चों ने इंग्लिश पोयम प्रतियोगिता में भाग लिया। मंच पर बच्चों ने रंग-बिरंगे परिधान पहनकर, अपनी मीठी आवाज में जैसे ही कविताएं प्रस्तुत कीं, वहाँ उपस्थित सभी शिक्षकों और दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान आ गई।बच्चों ने कविताएं अत्यंत आत्मविश्वास और भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ सुनाईं। यह प्रतियोगिता बच्चों में भाषा के प्रति रुचि जागृत करने, उनकी मंचीय झिझक को दूर करने और प्रस्तुति कौशल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया, जिससे बच्चों के चेहरों पर अत्यंत हर्ष की झलक दिखाई दी।विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती सीमा पवार ने प्रतियोगिता के अंत में कहा:हमारे विद्यार्थियों ने आज जिस आत्मविश्वास और ज्ञान का परिचय दिया, वह न केवल सराहनीय है, बल्कि यह दर्शाता है कि वे आने वाले भविष्य के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मैं विजेता टीम को हार्दिक बधाई देती हूँ और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को उनकी लगन और प्रयासों के लिए धन्यवाद देती हूँ।विद्यालय परिवार ने इन दोनों आयोजनों को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। इन आयोजनों ने यह सिद्ध कर दिया कि केपीएस भीटी एवं हेलो किड्स भरवारी न केवल अकादमिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

पत्रकारों पर फर्जी मुकदमे के विरोध में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब की आपात बैठक

कौशांबी। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब की एक आपात बैठक शनिवार को मंझनपुर कार्यलय पर आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब के अध्यक्ष अली मुक्तेदा ने की तथा संचालन संरक्षक ओमनिस द्वारा किया गया बैठक में सभी सदस्य एकमत से इस बात पर पहुंचे कि पत्रकारों पर दर्ज किया गया मुकदमा पूर्णतः निराधार एवं दुर्भावनापूर्ण है। यह मुकदमा भारतीय जनता पार्टी के जिला पंचायत अध्यक्ष के पति द्वारा, अपने राजनीतिक प्रभाव और पद का दुरुपयोग करते हुए, पत्रकारों की स्वतंत्रता को कुचलने के उद्देश्य से दर्ज कराया गया है।मीडिया क्लब ने सर्वसम्मति से निम्न निर्णय लिए हैं भाजपा के सभी आयोजनों की कवरेज करते समय क्लब के सदस्य काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराएंगे।भाजपा नेता जितेन्द्र सोनकर के किसी भी निजी या राजनीतिक कार्यक्रम का इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब पूर्ण बहिष्कार करेगा।आगामी सोमवार को क्लब के सभी सदस्य पुलिस अधीक्षक से भेंट कर इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच एवं न्याय की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौपेंगे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब यह स्पष्ट करता है कि पत्रकारिता पर किसी भी प्रकार का दमन स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि प्रशासन एवं शासन द्वारा पत्रकारों की आवाज दबाने का प्रयास किया गया, तो इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सोने चांदी के जेवर 8000 नगद सहित पिता पुत्र गिरफ्तार

कौशाम्बी। चोरी के घटना में वांछित पिता ओम प्रकाश शुक्ला और उनके बेटे सूरज शुक्ला निवासी अषाढा थाना पश्चिम शरीरा को कौशांबी थाना पुलिस ने लाखो कीमत के सोने चांदी के जेवर और 8000 नगद रुपए के साथ चम्पाहा बाजार नौहाई मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया है मुकदमा लिखने के बाद पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया है कौशांबी थाना के बेरौचा गांव में रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने गए थे जहां पिता पुत्र ने रिश्तेदार के घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया था और सोने चांदी की जेवर नगद रुपए चोरी करके उठा ले आए थे मामले में थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था।

सम्पादकीय

देश में समाप्त होने के कगार पर पहुंचा नक्सलवाद

पिछले छः दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में घोषणा की है कि 31 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। गृह मंत्री द्वारा की गई यह एक बहुत बड़ी घोषणा है। गत 60 वर्षों से देश नक्सलवाद की समस्या से बुरी तरह पीड़ित रहा है। इस दौरान देश में कई सरकारें आई और चली गई मगर नक्सलवाद का नासूर दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। नक्सलवाद प्रभावित जिलों में उनकी हुकूमत चलती थी। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था जिसे लोग मानने को मजबूर थे। मगर अब परिस्थितियों पूरी तरह बदल चुकी है। केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनो कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दिया है। शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए और सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा था कि मोदी सरकार सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों और नक्सलवाद के खिलाफ दृढ़ रुख के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। हम 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार भारत में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की कुल संख्या पहले 38 थी। इनमें से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या अब घटकर 6 हो गई है। साथ ही चिंता के जिलों और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित छह जिलों में अब छत्तीसगढ़ में चार जिले बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम जिला व महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला शामिल है। इसके अतिरिक्त चिंता के जिलों की संख्या जिन्हें गहन संसाधनों और ध्यान की आवश्यकता है 9 से घटकर 6 रह गई है। ये जिले आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू, मध्य प्रदेश में बालाघाट, ओडिशा में कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी और तेलंगाना में भद्राद्री-कोठागुडेम हैं।

अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या जो नक्सली गतिविधि का भी सामना कर रहे हैं लेकिन कम हद तक 17 से घटकर 6 हो गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी, झारखंड का लातेहार, ओडिशा का नुआपाड़ा और तेलंगाना का मुलुगु जिला शामिल हैं।

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

- ललित गर्ग -

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है।

यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है।

वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है। वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं।

मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा। इसके साथ ही इनाम देने को लेकर योजनाएं बनाई गयी। हिंसा के दौरान इस बात का खास ध्यान देने का अलर्ट किया गया कि रेल और नॉर्मल ट्रांसपोर्ट न चल पाए। मौका मिलने पर हिंदुओं की हत्या करना भी टारगेट था। कुछ हिन्दुओं को मारा भी गया है। हिंदुओं के घरों के साथ मंदिरों पर हमले किए गए, घर जलाए गए, आजीविका नष्ट की गई, बलात्कार की धमकियां दी गयी, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि नए वक्फ कानून का विरोध करने वाले न केवल सांप्रदायिक घृणा में डूबे हैं, अराजकता एवं उन्माद पर सवार है, आतंकी माहौल बनाकर हिन्दुओं को भयभीय-आतंकित करना चाहते है। क्योंकि उन्हें यह भरोसा है कि ममता बनर्जी की सरकार और उनकी पुलिस उनके खिलाफ कुछ नहीं करने वाली। ज्यादा चिन्ताजनक तो यह है कि अराजक लोग चाहते हैं पलायन करने के लिए मजबूर लोग फिर कभी अपने घरों को न लौट पाएं। इन जटिल एवं अनियंत्रित होते अराजक हालातों में शांति, सौहार्द एवं सामान्य हालातों को निर्मित करने के लिये आवश्यक है कि केंद्र सरकार बंगाल में हस्तक्षेप करने के लिए आगे आए, बल्कि यह भी अपेक्षित है कि सुप्रीम कोर्ट वहां के हालात का स्वतः संज्ञान ले। उसे वक्फ कानून विरोधी हिंसक तत्वों के उपद्रव के लिए ममता सरकार को जवाबदेह बनाना ही होगा।

ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। ममता अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है, भयभीत करती है? क्या ये प्रश्न ममता की राजनीतिक छवि पर दाग नहीं है? ममता एवं तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। ताजा हिंसक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। राज्य में शीर्ष संवैधानिक पद पर रहते हुए भी ममता बनर्जी ने अलोकतांत्रिक, गैर-कानूनी एवं राष्ट्र-विरोधी कार्यों को अंजाम दिया है। बंगाल में तो भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के जबड़े फैलाए, हिंसा की जीभ निकाले, मगरमच्छ सब कुछ निगल रहा है।

अपनी बेअदबी आमंत्रित करने वाले मोदी पहले प्रधानमंत्री

- अनिल जैन

मुख्यमंत्री स्टालिन के प्रधानमंत्री की अगवानी नहीं करने और उनके साथ सरकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं होने को निश्चित ही उचित नहीं कहा जा सकता, लेकिन प्रधानमंत्री ने जो किया उसे भी सही नहीं ठहराया जाएगा। उन्होंने राज्य के लोगों की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए भाषा के सवाल पर स्टालिन का मजाक उड़ाया।

नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनके साथ किसी भी विपक्ष शासित राज्य के मुख्यमंत्री के रिश्ते सामान्य नहीं है। प्रधानमंत्री और विपक्षी मुख्यमंत्रियों के बीच टकराव के चलते कई बार दोनों तरफ से सामान्य शिष्टाचार भी नहीं निभाया जाता है। पिछले 10 वर्षों में ऐसे कई मौके आए हैं जब प्रधानमंत्री की ओर बुलाई गई मुख्यमंत्रियों की बैठक का विपक्षी मुख्यमंत्रियों ने बहिष्कार किया है। ऐसा भी कई बार हुआ है कि जब प्रधानमंत्री किसी विपक्ष शासित राज्य के दौरे पर गए तो वहां के मुख्यमंत्री ने उनकी अगवानी नहीं की और प्रधानमंत्री के साथ सरकारी कार्यक्रम से भी दूरी बना कर रखी। हाल ही में प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा के दौरान भी ऐसा ही हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी महीने की 6 तारीख को तमिलनाडु के रामेश्वरम पहुंचे थे, जहां राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन न तो उनकी अगवानी करने पहुंचे और न ही उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ पम्बन रेलवे ब्रिज के उद्घाटन कार्यक्रम में शिरकत की। इसकी प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए भाषा के सवाल पर मुख्यमंत्री स्टालिन का अशोभनीय मजाक उड़ाया, जिससे केंद्र और तमिलनाडु सरकार के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति, त्रिभाषा फॉर्मूला, परिसीमन जैसे मुद्दों पर जारी टकराव नए स्तर पर पहुंच गया।

मुख्यमंत्री स्टालिन के प्रधानमंत्री की अगवानी नहीं करने और उनके साथ सरकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं होने को निश्चित ही उचित नहीं कहा जा सकता, लेकिन प्रधानमंत्री ने जो किया उसे भी सही नहीं ठहराया जाएगा। उन्होंने राज्य के लोगों की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए भाषा के सवाल पर स्टालिन का मजाक उड़ाया। उन्होंने मुख्यमंत्री का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधा और कहा कि उनके पास तमिलनाडु के नेताओं के पत्र आते हैं लेकिन उन पर दस्तखत तमिल में नहीं होते हैं। मोदी ने तंज करते हुए कहा कि 'तमिल गौरव' बना रहे, इसके लिए कम से कम तमिल में दस्तखत करना तो शुरू करें।

सवाल है कि क्या देश के प्रधानमंत्री को ऐसी बातें करनी शोभा देती हैं? वे खुद भाषाई आधार पर बने एक राज्य से आते हैं लेकिन क्या गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए गुजराती भाषा का गौरव बढ़ाने के लिए उन्होंने कभी गुजराती में दस्तखत किए? प्रधानमंत्री ने स्टालिन को चिढ़ाने के लिए उन्हें मेडिकल की पढ़ाई तमिल में कराने की कटाक्ष भरी नसीहत भी दी। सवाल है कि सारे देश में हिंदी को प्रमुखता दिलाने में लगी मोदी सरकार मेडिकल और इंजीनियरिंग का एक भी बैच हिंदी में पढ़ाकर निकाल सकती है?

बहरहाल, यह पहला मौका नहीं था जब प्रधानमंत्री किसी विपक्ष शासित राज्य के दौरे पर गए और वहां के मुख्यमंत्री ने उनकी अगवानी नहीं की या उनके सरकारी कार्यक्रम से अपने को दूर रखा। हाल के वर्षों में ऐसे कई मौके आए हैं। साल 2022 में तेलंगाना में दो बार ऐसा हुआ जब प्रधानमंत्री के दौरे से तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने अपने को दूर रखा। उसी साल प्रधानमंत्री दो बार महाराष्ट्र के दौरे पर गए लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने उनकी अगवानी नहीं की।

उसी साल की शुरूआत में प्रधानमंत्री पंजाब के बठिंडा पहुंचे थे तो वहां भी उनकी अगवानी के लिए सूबे के तत्कालीन मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी मौजूद नहीं थे। उससे पहले पश्चिम बंगाल में भी ऐसा ही हुआ था, जब प्रधानमंत्री चक्रवाती तूफान का जायजा लेने बंगाल पहुंचे थे तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनके साथ समीक्षा बैठक में शामिल नहीं हुई थीं। मोदी से उनके संबंधों की यह तल्खी साल 2002 में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 125वीं जयंती के मौके पर कोलकाता में आयोजित कार्यक्रम में भी देखी गई थी। ममता बनर्जी के भाषण के दौरान प्रधानमंत्री की मौजूदगी में 'जय श्रीराम' के नारे लगे थे, जिससे नाराज होकर वे अपना भाषण पूरा किए बगैर ही कार्यक्रम छोड़ कर चली गई थीं।

इसी तरह 2021 में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान प्रधानमंत्री ने कई मुख्यमंत्रियों को फोन किया था। उसी सिलसिले में उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी टेलीफोन किया था तो उसके बाद मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा था कि प्रधानमंत्री सिर्फ अपने मन की बात करते हैं, बेहतर होता कि वे काम की बात करते और काम की बात सुनते। यही शिकायत करते हुए छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी कहा था कि प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्रियों की जो बैठकें होती हैं, उनमें सिर्फ वन-वे होता है। प्रधानमंत्री सिर्फ अपनी बात कहते हैं, मुख्यमंत्रियों की बात का कोई जवाब नहीं मिलता। इन सब वाकयों के और पीछे जाएं तो साल 2015 में दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री को 'कायर' और 'मनोरोगी' तक कह दिया था।

ये कुछ प्रतिनिधि घटनाएं हैं जिनसे प्रधानमंत्री पद की प्रतिष्ठा और सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार को लेकर कुछ गंभीर सवाल खड़े होते हैं। सवाल है कि आखिर पिछले दस सालों में ऐसा क्या हुआ है कि पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण चारों दिशाओं में विपक्ष शासित राज्यों के मुख्यमंत्री देश के प्रधानमंत्री के प्रति ऐसी उपेक्षा या बेअदबी भरा बर्ताव करते आ रहे हैं? केंद्र और राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारें पहले भी रही हैं, लेकिन किसी प्रधानमंत्री के साथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

तो सवाल यह उठता है कि अभी जो हो रहा है, क्या उसे भाजपा विरोधी पार्टियों की राजनीतिक असहिष्णुता या दुराग्रह मानकर खारिज किया जा सकता है या इसके कुछ गंभीर कारण हैं, जिनकी पड़ताल और निराकरण होना चाहिए? असल में प्रधानमंत्री के प्रति देश के अलग-अलग राज्यों में उभर रही इस किस्म की प्रवृत्ति को गंभीरता से समझने की जरूरत है।

सबसे पहले इस तथ्य को रेखांकित करने की जरूरत है कि प्रधानमंत्री के प्रति बेअदबी की लगभग सारी घटनाएं मोदी के साथ ही हुई हैं। उससे पहले राजनीतिक विरोध के बावजूद सामान्य शिष्टाचार था और उसका सार्वजनिक प्रदर्शन भी होता था। हालांकि बेअदबी के बीज पड़ने शुरू हो गए थे, जो नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद फल के रूप में दिखने लगे।

विरोधी दलों और उनके नेताओं के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की अपमानजनक बातें शुरू में जरूर अटपटी लगी थीं। चूंकि भाजपा और मोदी ने काफी बड़ी जीत हासिल की थी, इसलिए विपक्षी नेताओं ने यह सोचकर बर्दाश्त किया कि जीत की खुमारी उतर जाने पर प्रधानमंत्री राजनीतिक विमर्श में सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार और भाषायी शालीनता का पालन करने लगेंगे, लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ और लगने लगा कि यही मोदी की स्वाभाविक राजनीतिक शैली है और वे बदलने वाले नहीं हैं, तब विपक्षी नेताओं के सब्र का बांध टूटा और उसमें राजनीतिक शालीनता और मयार्दा बहती गई।

देश में शायद ही कोई ऐसा विपक्षी मुख्यमंत्री या नेता होगा, जिसके लिए प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से अपमानजनक बातें या गाली-गलौज नहीं की होगी। मोदी उन्हें चोर, भ्रष्ट, परिवारवादी, लुटेरा, नक्सली, आतंकवादियों का समर्थक और देशद्रोही तक करार देने में संकोच नहीं करते हैं। इस सिलसिले में वे दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्रियों और विपक्ष की महिला नेताओं को भी नहीं बख्शते और उनके लिए बेहद अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करते हैं।

मोदी ने यह सिलसिला सिर्फ चुनावी सभाओं तक ही सीमित नहीं रखा है, बल्कि संसद में, संसद के बाहर विभिन्न मंचों पर और विदेशों में भी वे विपक्षी नेताओं पर निजी हमले करने से नहीं चूकते। फिर विपक्ष शासित राज्यों के प्रति उनकी सरकार के भेदभावपूर्ण व्यवहार और राज्यपालों की बेजा हरकतों ने भी केंद्र और राज्यों के बीच खटास पैदा की है। केंद्र सरकार की मनमानियों और विपक्षी नेताओं के प्रति अपमानजनक बर्ताव का नतीजा है कि आज केंद्र-राज्य संबंध किसी भी समय के मुकाबले सबसे बदतर स्थिति में हैं।

प्रधानमंत्री ने तमाम विपक्षी दलों को अपने और देश के दुश्मन के तौर पर प्रचारित कर उन्हें खत्म करने का खुला ऐलान किया है। वे हर जगह डबल इंजन की सरकार का ऐसा प्रचार करते हैं, जैसे विपक्ष की सारी सरकारें जनविरोधी, देश विरोधी और विकास विरोधी हैं। प्रधानमंत्री की इस राजनीति ने विपक्षी पार्टियों को सोचने के लिए मजबूर किया। इसलिए आज अगर प्रधानमंत्री पद की गरिमा पैंदे में बैठ रही है और उनकी बेअदबी हो रही है तो इसके लिए प्रधानमंत्री का अंदाज-ए-हुकूमत और अंदाज-ए-सियासत ही जिम्मेदार है।

लोकसभा परिसीमन : लोकतंत्र की मजबूती या क्षेत्रीय तनाव का नया दौर?

- अरुण कुमार डनायक

मूल प्रश्न यह है कि क्या हमें वर्तमान 543 सांसदों से अधिक सदस्यों वाली संसद की आवश्यकता है? क्या प्रत्येक राज्य में और अधिक विधायकों की जरूरत है? सांसदों की संख्या को परिसीमन के माध्यम से बढ़ाने के फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। ऐसे तर्क दिए जा रहे हैं कि परिसीमन लागू हो जाने के पश्चात जन प्रतिनिधित्व बेहतर होगा।

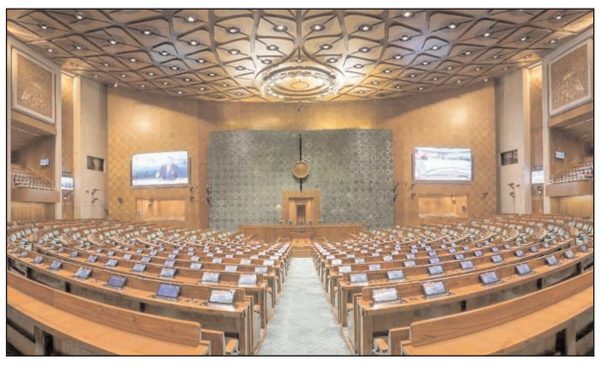

भारत में स्वतंत्रता के बाद कई पुराने-नए विवाद उभरे, कुछ को सरकारों ने बंद बस्ते में डाल दिया। अब एक नया जटिल मुद्दा है लोकसभा सीटों का परिसीमन, जिसे 1976 के 42वें और 2002 के 84वें संविधान संशोधन के जरिए 2026 तक टाला गया। यह विवाद अब फिर से सुर्खियों में है। वर्तमान में लोकसभा की 543 सीटें, 1971 की जनगणना के आधार पर तय हैं। संविधान के अनुसार, हर जनगणना के बाद सीटों का परिसीमन होना चाहिए। 1951 से 1971 तक ऐसा हुआ। आपातकाल के दौरान पारित हुए 42वां संशोधन ने 1971 की जनगणना के आधार पर आवंटित सीटों की संख्या को आगामी 25 वर्षों के लिए स्थिर कर दिया। 2002 के संशोधन ने यह मानते हुए कि देश के विभिन्न हिस्सों में परिवार नियोजन कार्यक्रमों की प्रगति के कारण किसी भी नई जनगणना पर आधारित परिसीमन करने निर्णय लिया जाना उचित नहीं होगा और यह अवधि और 25 वर्षों अर्थात 2026 तक के लिए बढ़ा दी।

इस परिप्रेक्ष्य में यह कहा जा सकता है कि 1971 से अब तक कोई नई जनगणना आधारित परिसीमन नहीं हुआ है। 2011 के बाद से कोई जनगणना नहीं हुई है, और अगर अब जनसंख्या के अनुपात में सीटों का पुनर्विन्यास किया गया, तो दक्षिणी राज्यों की सीटों में कटौती हो सकती है। दक्षिण भारत के राज्य इसी कारण से परिसीमन का विरोध कर रहे हैं। आकड़ों के अनुसार, उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में विन्ध्य पर्वत के उस पार स्थित राज्यों की जनसंख्या में वृद्धि की दर कम रही है। संविधान, लोकसभा सदस्यों की संख्या निर्धारण में समान अनुपातिता की व्यवस्था देता है लेकिन लद्दाख, गोवा और पूर्वोत्तर जैसे छोटे राज्यों में जनसंख्या की तुलना में अधिक सांसद हैं, जबकि दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में प्रतिनिधित्व कम है।

मूल प्रश्न यह है कि क्या हमें वर्तमान 543 सांसदों से अधिक सदस्यों वाली संसद की आवश्यकता है? क्या प्रत्येक राज्य में और अधिक विधायकों की जरूरत है? सांसदों की संख्या को परिसीमन के माध्यम से बढ़ाने के फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। ऐसे तर्क दिए जा रहे हैं कि परिसीमन लागू हो जाने के पश्चात जन प्रतिनिधित्व बेहतर होगा। एक सांसद अभी 20-25 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। सीटें बढ़ने से यह अनुपात कम होगा, जिससे जनता की समस्याएं बेहतर उठेंगी। जनसंख्या के आधार पर सीटें बढ़ने से तेजी से बढ़ रही आबादी वाले राज्यों की आवाज मजबूत होगी। इससे असंतुलन कम होगा। अधिक सांसद मुद्दों पर गहन एवं विविधतापूर्ण चर्चा कर लोकतंत्र को और समृद्ध करेंगे।

यदि यह फायदे हैं तो इसके नुकसान भी कम नहीं हैं। अधिक सांसदों का मतलब वेतन, भत्ते और सुविधाओं पर ज्यादा खर्च। अधिक सदस्यों के साथ संसद में बहस और निर्णय लेना जटिल हो सकता है, जिससे कार्यक्षमता प्रभावित होगी। जनसंख्या आधारित डिलिमिटेशन से उत्तर भारत के राज्यों को अधिक सीटें मिलेंगी,जबकि दक्षिणी राज्य अपने प्रभाव को कम होता देख सकते हैं। सीटें बढ़ने से राजनीतिक दलों को अधिक उम्मीदवार उतारने पड़ेंगे, जिससे चुनावी खर्च और प्रबंधन जटिल हो सकता है। साथ ही, छोटे दलों का प्रभाव कम हो सकता है। परिसीमन लागू करने से पहले हमें भारत की जनसंख्या वृद्धि के भविष्य के परिदृश्य को भी ध्यान में रखना होगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, भारत की जनसंख्या 2040-50 तक 167 करोड़ के शिखर पर पहुंचेगी, फिर घटने लगेगी, क्योंकि सकल प्रजनन दर 2.1 से नीचे आ चुकी है। ऐसे में जनसंख्या आधारित परिसीमन की प्रासंगिकता कम हो रही है। इसलिए, यह आवश्यक है कि जनगणना की प्रक्रिया पूरी की जाये, लेकिन जनसंख्या के अनुपात के आधार पर सीटों के परिसीमन की प्रक्रिया को स्थगित रखा जाये।

पिछले अनुभव बताते हैं कि भारतीय संसदीय लोकतंत्र में विधायिका अनेक कमियों से जूझ रही है। संसद और विधानसभाओं के सत्रों की अवधि लगातार घट रही हैं, और इनमें हंगामा, नारेबाजी या बहिष्कार जैसे व्यवधानों के कारण प्रभावी चर्चा और विधायी कार्य कम हो पाता है। प्रतिनिधियों को जटिल नीतिगत मुद्दों की पर्याप्त समझ नहीं होती, इससे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गुणवत्तापूर्ण गहन बहस नहीं हो पाती। कई निर्वाचित प्रतिनिधियों पर आपराधिक मामले लंबित रहते हैं, जो विधायिका की विश्वसनीयता और नैतिकता पर सवाल उठाते हैं।

दलीय अनुशासन से बंधे सांसद और विधायक स्वतंत्र रूप से मतदान करने में असमर्थ होते हैं। संसदीय समितियों का उपयोग विधेयकों की गहन जांच के लिए प्रभावी ढंग से नहीं हो पाता और उनके सुझावों को सरकार द्वारा नजरअंदाज कर दिया जाता है। विधायिका में महिलाओं और कुछ अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व उनकी जनसंख्या के अनुपात में कम है, जिससे उनकी आवाज कमजोर रहती है।

राजापुर-कर्वी मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, दो की मौत, छह घायल

- आमने-सामने भिड़े टैंकर व मैजिक
- डीएम व एसपी ने किया स्थलीय निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

मौके पर क्षतिग्रस्त वाहन

अस्पताल में घायलों का हाल चाल लेते डीएम-एसपी

चित्रकूट। जिले के थाना पहाड़ी के ग्राम प्रसिद्धपुर के पास शनिवार सुबह करीब 10:45 बजे दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। राजापुर से कर्वी की ओर जा रही एक मैजिक गाड़ी (यूपी 96 टी 6766) की सामने से आ रहे टैंकर (यूपी 96 टी 8185) से जोरदार भिड़ंत हो गई। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि मैजिक में सवार आठ लोग घायल हो गए। सूचना पर पीआरवी 2037 की टीम तत्काल मौके पर पहुँची और घायलों को एम्बुलेंस से राजापुर सीएचसी पहुंचाया गया।

चिकित्सकों ने वहां दो व्यक्तियों - रामसुवन पुत्र संता (35) निवासी बाबूपुर एवं हेमराज पुत्र नथुवा (30) निवासी घूरेटनपुर थाना भरतकूप को मृत घोषित कर दिया। मृतकों के शवों का पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है। घटना में घायल छह अन्य लोगों में से चार की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल सोनेपुर कर्वी रेफर किया गया, जिनमें शामिल हैं- सुशीला पत्नी फूला (बरेठी), माया पत्नी राजेन्द्र (पैकोरा), लक्ष्मीप्रसाद पत्नी शिवनारायण (देवकली), रीता पत्नी रामसुवन (बाबूपुर)। वहीं, दुर्गा पुत्री शिवनरेश (08 वर्ष, पैकोरा) व फूलचंद पुत्र रघुवीर (45, लुधौरा) का इलाज सीएचसी पहाड़ी में चल रहा है। फिलहाल पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है और दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए डीएम एवं एसपी चित्रकूट ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और हादसे की पूरी जानकारी ली।

सीएम माटीकला रोजगार योजना में मिला 9.20 लाख का लक्ष्य, इच्छुक करें आवेदन

चित्रकूट। परंपरागत कला व आधुनिक अवसरों का संगम बनती उत्तर प्रदेश की माटीकला नीति अब चित्रकूट में भी रोजगार का नया द्वार खोल रही है। सीएम माटीकला रोजगार योजना पर वित्तीय वर्ष 2025-26 में शासन ने जनपद चित्रकूट को 4 इकाइयों, 9.20 लाख रुपये धनराशि एवं 12 रोजगार सृजन का लक्ष्य आवंटित किया है। यह जानकारी जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने दी। इस योजना का उद्देश्य माटीकला से जुड़ी पारंपरिक कारीगरी जैसे खिलौने, घरेलू उपयोग के पात्र (घड़ा, कुल्हड़, सुराही, कप-प्लेट्स), भवन निर्माण सामग्री (फ्लोर टाइल्स, लैट्रिन पैन), और सजावटी सामान (गुलदस्ते, गार्डन पॉट्स) के कारीगरों को प्रोत्साहित कर आर्थिक आत्मनिर्भरता दिलाना है। योजना पर अधिकतम 10 लाख रुपये तक का प्रोजेक्ट बैंकों के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा, जिसमें लाभार्थी का अंशदान मात्र 5 प्रतिशत रहेगा तथा शेष राशि बैंक द्वारा ऋण स्वरूप प्रदान की जाएगी। इसमें 25 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान राज्य सरकार देगी।

न्यूज झरोखा

7 किलो से ज्यादा अवैध गांजा समेत दो गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज

चित्रकूट। जिले में नशे के कारोबार पर नकेल कसने की दिशा में एक और बड़ी सफलता भरतकूप पुलिस को मिली है। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देश में चलाए जा रहे मादक पदार्थ विरोधी अभियान में भरतकूप पुलिस ने 7 किलो 72 ग्राम नाजायज सूखा गांजा बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार के मार्गदर्शन में दारोगा राहुल पाण्डेय व उनकी टीम ने एक सटीक सूचना पर कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों- दशरथ तिवारी पुत्र बलभद्र तथा जुगेश त्रिपाठी पुत्र राममूरत- दोनों निवासी देवखेर, थाना बदौसा, बांदा को दबोच लिया। इनके पास से 07 किलो 72 ग्राम सूखा गांजा बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ थाना भरतकूप में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। टीम में सिपाही सतीश यादव एवं नरेन्द्र सिंह भी शामिल रहे, जिनकी सतर्कता और तत्परता से यह सफलता संभव हो सकी।

पुलिस का अवैध शराब कारोबारियों पर शिकंजा, 86 क्वार्टर देशी शराब बरामद, कार्रवाई में चार गिरफ्तार

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देश में चल रहे नशा विरोधी अभियान पर थाना राजापुर व थाना भरतकूप पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी के पास से कुल 86 क्वार्टर देशी शराब बरामद की गई, जो कि अवैध रूप से निर्माण और बिक्री के लिए रखी गई थी।

थाना राजापुर के दारेगा अनिल कुमार व सिपाही चंदन विश्वकर्मा ने हनुमानगंज निवासी कपेस सोनकर को 22 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। वहीं भरतकूप थाने की दो टीमों ने अलग-अलग आरोपियों को दबोचा। दारोगा रामकुमार और सिपाही शुभम यादव ने बछरन गांव से राजेश को 20 क्वार्टर और भैरव प्रसाद को 24 क्वार्टर शराब के साथ पकड़ा। दूसरी टीम में दारोगा अरविंद कुमार सिंह और सतीश यादव ने आशीष सिंह को 20 क्वार्टर के साथ गिरफ्तार किया। सभी अभियुक्तों के विरुद्ध संबंधित थानों में धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

व्हीलचेयर पर हौसलों की उड़ान : चित्रकूट में शुरू हुआ राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंट

- चार राज्यों की टीमें मैदान में
- चित्रकूट के रिंकू शुक्ल संभालेंगे यूपी टीम की कमान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के आध्यात्मिक नगरी चित्रकूट की धरती पर इस बार सिर्फ धर्म नहीं, खेल और साहस की नई गाथा भी लिखी जा रही है। दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया (डीसीसीबीआई) व सुनहरा सफर फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से 22 से 25 अप्रैल तक राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है, जो दिव्यांगजनों के आत्मबल, समर्पण और संघर्ष का प्रतीक बनकर सामने आ रहा है।

इस चार दिवसीय टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश, ओडिशा, उत्तराखंड व मध्य प्रदेश की व्हीलचेयर क्रिकेट टीमें हिस्सा ले रही हैं। आयोजन का उद्देश्य दिव्यांग खिलाड़ियों को न केवल राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है, बल्कि समाज को यह संदेश देना भी है कि काबिलियत किसी सीमा की मोहताज नहीं होती। उत्तर प्रदेश की व्हीलचेयर क्रिकेट टीम को इस बार एक नया नेतृत्व मिला है। चित्रकूट के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज रिंकू शुक्ल को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जिनसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। इस आयोजन के कोऑर्डिनेटर पंकज कुमार शुक्ल हैं, जिनके साथऐश्वर्य प्रताप सिंह एवं ह्वपूरन लाल सिंह मिलकर आयोजन को सफलतापूर्वक संभाल रहे हैं। ललित पाठक, उत्तर प्रदेश व्हीलचेयर क्रिकेट के वरिष्ठ मार्गदर्शक हैं, इस आयोजन की प्रेरणास्रोत शक्ति के रूप में कार्य कर रहे हैं। टूर्नामेंट के मौके पर डीसीसीबीआई के वरिष्ठ पदाधिकारियों- भगवान तलवारे, हारुन रशीद, सीईओ श्रीमती गजल खान एवं रमेश सरतापे ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विश्व हिंदू परिषद का राष्ट्रव्यापी आक्रोश प्रदर्शन, राष्ट्रपति शासन की उठी मांग

- बंगाल जल रहा है, हिन्दू चुप नहीं बैठेगा
- विभिन्न हिंदु संगठनो ने लिया भाग

अखंड भारत संदेश

बंगाल सरकार के विरोध में ज्ञापन सौंपते विभिन्न संगठन

चित्रकूट। बंगाल में लगातार हो रही हिंदू लक्षित हिंसा व राज्य सरकार की चुप्पी के विरोध में शनिवार को विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति, दुर्गा वाहिनी सहित समस्त विचार परिवार के संगठनों ने मिलकर जिला मुख्यालय पर उग्र आक्रोश प्रदर्शन किया। जिसमे महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन डीएम को सौंपते हुए बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की गई।

प्रदर्शन पूज्य संत दिव्य जीवन दास महाराज, मदन गोपाल दास महाराज, व रामजी दास महाराज के पावन सानिध्य में हुआ। प्रदर्शन का नेतृत्व जिला मंत्री नीरज केसरवानी ने किया, जबकि अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजेंद्र ने की। दुगार्वाहिनी की बहनों मधु व नेहा की उपस्थिति ने प्रदर्शन में मातृशक्ति की भूमिका को मजबूती दी। साथ ही, धमार्चार्य प्रमुख मृदुल, गोरक्षा प्रमुख विमल त्रिपाठी, नगर अध्यक्ष उमाकांत शुक्ला, उपाध्यक्ष जितेन्द्र केसरवानी, प्रखंड अध्यक्ष प्रवीण, संरक्षक मुकेश बाजपेई एवं प्रखंड संयोजक शिवांश केसरवानी ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की। सैकड़ों सनातनी हिन्दुओं की मौजूदगी ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब हिंदू समाज किसी भी अन्याय के विरुद्ध संगठित होकर स्वर उठाने को तैयार है। प्रदर्शन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि हिंदू सहिष्णु है, लेकिन निष्क्रिय नहीं। बंगाल की धरती पर रक्त की बूंदें अब और नहीं बहने दी जाएंगी- यह संकल्प चित्रकूट की पवित्र भूमि से उठा है। इस जनज्वार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक कमलकांत, प्रांत धर्मयात्रा प्रमुख छेदी लाल, समरसता टोली के सदस्य रामशरण, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश, सह मंत्री सिद्धार्थ, कोषाध्यक्ष जमुना प्रसाद, संयोजक अंकित, सह संयोजक प्रणव व शिवेन्द्र सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

75 करोड़ की कलम से लिखा जाएगा चित्रकूट का पर्यटन महाकाव्य

- राम की नगरी को मिलेगा नया रूप
- पर्यटन में बहेंगी विकास की गंगा

चित्रकूट। जिले में पर्यटन क्षेत्र को लेकर एक नई पहल की शुरूआत हो चुकी है। डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने हाल ही में शासन से वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए स्वीकृत प्रमुख पर्यटन परियोजनाओं की जानकारी दी। इन परियोजनाओं के माध्यम से जिले में न केवल धार्मिक स्थलों का पुनर्निर्माण किया जाएगा, बल्कि पर्यटन के अन्य पहलुओं जैसे सांस्कृतिक धरोहर व प्राकृतिक सौंदर्य भी दशार्या जाएगा। इन योजनाओं से चित्रकूट देश व दुनिया में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभरने वाला है। कुल मिलाकर, 75.37 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनका उद्देश्य जिले में तीर्थ स्थलों को श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए और भी आकर्षक बनाना है। इन परियोजनाओं के माध्यम से पर्यटन विभाग श्रद्धालुओं के अनुभव को बेहतर बनाएगा और जिले की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करेगा।

इन प्रमुख परियोजनाओं में से एक है कामदगिरि परिक्रमा मार्ग का कायाकल्प, जिसमें 20.44 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। यह मार्ग श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण है और इसे सांस्कृतिक और शहरी कायाकल्प से और भी सुंदर बनाया जाएगा। रामवन गमन मार्ग पर पर्यटन केंद्र व डारमेट्री के निर्माण के लिए 11.93 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसके अलावा, हवाई अड्डे के पास देवांगना घाटी में बॉर्डर पर पर्यटन सुविधा केंद्र और डारमेट्री निर्माण के लिए 17.56 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार, पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य से जोड़ने के लिए 11.77 करोड़ रुपये की राशि से इको टूरिज्म पर आधारित एक थीम पार्क का निर्माण किया जाएगा। रानीपुर टाइगर रिजर्व में इको पर्यटन के विकास के लिए 13.68 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

ग्रामीणों ने जेई व विजिलेंस पर वसूली के लगाए गंभीर आरोप, वीडियो वायरल

- कनेक्शन भी है, मीटर भी.- फिर क्यों मांगे गए 15 हजार?
- भाजपा नेता अरुण सिंह ने की खुली निंदा

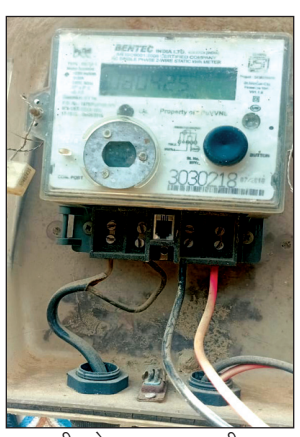

ग्रामीण के घर लगा हुआ मीटर

चित्रकूट। जिले की मानिकपुर तहसील के ग्राम पंचायत गढ़चपा में बिजली विभाग की वसूली व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है। गांव की एक साधारण महिला दुकानदार श्रीमती रामलली शुक्ला ने बताया कि उनके पास वैध विद्युत कनेक्शन व चालू मीटर है, को 18 अप्रैल की दोपहर उस समय शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा जब कर्वी बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर व बिजलेंस थाना की टीम उनके घर पहुंची। बताया कि टीम ने बिना किसी ठोस जांच या साक्ष्य के महिला पर बिजली चोरी का आरोप मढ़ते हुए सीधा कहा-15 हजार रुपये दो, नहीं तो मुकदमा लिखकर जेल भेजे देंगे।

यही नहीं, गांव के एक अन्य नागरिक सुभाष गुप्ता, जिन्होंने हाल ही में पुराने कच्चे मकान पर एक छोटा सा जनसेवा केंद्र शुरू किया है और जिनका विद्युत कनेक्शन पहले से ही मौजूद है, उन्हें भी इसी तरह की धमकी देकर 15-20 हजार रुपये की मांग की गई। जब यह मामला गांव में फैला, तो ग्राम प्रधान प्रतिनिधि एवं भाजपा नेता अरुण सिंह ने मौके पर पहुंचकर बिजली विभाग की टीम से कड़ा सवाल-जवाब किया। आश्चर्यजनक रूप से अधिकारियों ने उनसे भी वही कहा- दोनों से 15-15 हजार लगेंगे, नहीं तो मुकदमा लिखकर जेल भेजेंगे। इस घटनाक्रम ने ग्रामीणों में भारी आक्रोश भर दिया। भाजपा नेता अरुण सिंह ने स्पष्ट तौर पर कहा कि ऐसे भ्रष्ट अधिकारी ही सरकार की छवि धूमिल कर रहे हैं। सवाल उठाया कि जब किसी उपभोक्ता के पास वैध कनेक्शन और मीटर हो, तब भी उसे बिना प्रमाण के धमकाना सीधे-सीधे भ्रष्टाचार और सरकारी गुंडागर्दी है। दर्जनभर ग्रामीणों ने भी बिजलेंस टीम पर दबंगई, अभद्रता और जबरन वसूली के गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्राम प्रधान गढचपा ननकी देवी ने डीएम को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

उत्कृष्ट ग्रामोद्योग इकाइयों को मिलेगा पुरस्कार, 30 तक करें आवेदन

चित्रकूट। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड से संचालित सीएम ग्रामोद्योग रोजगार योजना, पीएम रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं विभागीय प्रशिक्षण योजनाओं पर स्थापित इकाइयों को प्रोत्साहन स्वरूप खादी ग्रामोद्योग पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत किया जाएगा। यह पुरस्कार उन उद्यमियों को दिया जाएगा जिन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 से तीन वर्ष पूर्व अपने उद्यम की स्थापना की थी और तब से निरंतर सफलता के साथ कार्यरत हैं। चयन उन्हीं इकाइयों का किया जाएगा, जो गुणवत्ता, नवाचार और विपणन में उत्कृष्टता का प्रदर्शन कर रही होंगी। इच्छुक इकाइयां आवेदन 30 अप्रैल तक कार्यदिवसों में विकास भवन, सोनेपुर के जिला ग्रामोद्योग अधिकारी कार्यालय में निर्धारित प्रारूप पर प्रस्तुत कर सकती हैं।

ट्रक से टकराई बाइक, युवक की मौके पर मौत, मां व साथी गंभीर घायल

- सदर विधायक अनिल प्रधान मौके पर पहुंचे

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले के पहाड़ी क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई, जबकि उसकी मां व एक अन्य साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब कुचरम निवासी रामवीर यादव अपनी मां राजरानी को मोटरसाइकिल से पूरवा गांव से हर्रा की ओर ले जा रहे थे। रास्ते में तेज रफ्तार ट्रक से बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिससे रामवीर की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में रामवीर की मां राजरानी और उनके साथी सुंदरलाल बुरी तरह घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल पहाड़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना पर पहाड़ी थाना प्रभारी रीता सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने मृतक का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इधर, जैसे ही हादसे की खबर फैली, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई। चित्रकूट सदर विधायक अनिल प्रधान मौके पर पहुंचे और अस्पताल जाकर घायलों का हालचाल जाना। डॉक्टरों को निर्देश दिए कि घायलों का समुचित इलाज करें। विधायक ने मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हर संभव सहायता का आश्वासन भी दिया।

क्रिकेट के रंग में रंगा सदगुरु परिवार, सीजन-15 की धूम मचाने को तैयार

- सदगुरु प्रीमियर लीग का शुभारंभ
- फ्लडलाइट्स में चमकी खेल भावना की रोशनी

अखंड भारत संदेश

सदगुरु प्रीमियर लीग के शुभारम्भ में बैठे अतिथिगण

चित्रकूट। संत रणछोड़दास महाराज स्थापित सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट में संचालित सदगुरु शिक्षा समिति के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सदगुरु प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-15 का भव्य शुभारंभ हुआ। आयोजन स्थल सदगुरु पब्लिक स्कूल के खेल प्रांगण में खेल भावना से ओतप्रोत कार्यक्रम की शुरूआत पूज्य गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसमें चित्रकूट एसपी अरुण कुमार सिंह, एसडीएम एपी द्विवेदी, नायब तहसीलदार हिमांशु शुक्ला, ट्रस्टी डॉ बीके जैन, श्रीमती उषा जैन, डॉ इलेश जैन तथा समस्त प्राचार्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके बाद ट्रस्टी डॉ बीके जैन ने सभी टीम प्रबंधकों, कोचों, कप्तानों और खिलाड़ियों को खेल की मयार्दा और अनुशासन का पालन करते हुए स्पर्धा में भाग लेने की शपथ दिलाई गई, साथ ही अतिथियों का खिलाड़ियों से परिचय कराया।

इस वर्ष की प्रतियोगिता में सदगुरु ट्रस्ट के विभिन्न सेवा व शैक्षणिक प्रकल्पों से कुल 14 टीमों ने भाग लिया है, जिन्हें दो पूलों में विभाजित कर एक माह तक रोमांचक लीग मैच खेले जाएंगे। फाइनल मुकाबले में विजेता टीम को सीजन-15 की रनिंग ट्रॉफी से नवाजा जाएगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच फ्लडलाइट्स की रौशनी में एसएनसी लीजेंड्स और फेलोज इलेवन के बीच खेला गया, जिसमें दर्शकों की भारी भीड़ और उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर डॉ पूनम आडवाणी, डॉ बीके अग्रवाल, डॉ राजपूत, अनुभा अग्रवाल, प्राचार्य सुरेन्द्र तिवारी, शंकरदयाल पांडेय, दीपक वानी, मंजुला वानी, फिरोज खान, रेफरी तुषारकांत शास्त्री, धीरेन्द्र वर्मा, विनोद पांडेय व राजकुमार प्रमुख रहे।

प्रतियोगिता में प्रतिभागी टीमों में ऑफथाल्मिक सुपर ज्वाइंट्स, सीसीओ डेयरडेविल्स, एसएनसी लीजेंड्स, गुरुकुल स्टार इलेवन, गंगा जमुना, सीसीओ किंग्स इलेवन, फेलोज इलेवन, विद्याधाम इलेवन, एसपीएस स्पार्टन्स, एसआईसीएस सुपर किंग्स, जेकेसी स्टार इलेवन, एसएनसी स्टार इलेवन, कंस्ट्रक्शन सुपर किंग्स और अन्नपूर्णा स्पोर्ट्स क्लब शामिल हैं।

भाजपा ने की भीमराव अम्बेडकर सम्मान सभा सामाजिक न्याय के पुरोधा को किया नमन

- गिनाई सरकार की उपलब्धियाँ
- कांग्रेस पर बोला हमला

अखंड भारत संदेश

भीमराव अम्बेडकर सम्मान सभा में बैठे भाजपाई

चित्रकूट। भारतीय जनता पार्टी चित्रकूट ने भारत रत्न डॉ भीमराव रामजी आम्बेडकर की जयंती से प्रारम्भ सेवा पखवाड़ा में भीमराव अम्बेडकर सम्मान सभा का आयोजन चित्रकूट इंटर कॉलेज के सभागार में किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य ने की, वहीं मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री भानू प्रताप बर्मा और विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री रामकिशोर शाहू (कानपुर-बुन्देलखण्ड क्षेत्र) रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा के पितृ पुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि भानू प्रताप बर्मा ने संबोधन में कहा कि बाबासाहब सामाजिक न्याय के मसीहा थे। रामकिशोर शाहू ने कहा कि डॉ अम्बेडकर समता, ममता और बंधुत्व को सामाजिक व्यवस्था का आधार मानते थे। जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य ने कहा कि बाबा साहब की दी गई सामाजिक चेतना के कारण ही आज अनुसूचित जाति वर्ग सम्मान से आगे बढ़ रहा है।

पूर्व सांसद भैरो प्रसाद मिश्र ने अम्बेडकर के संगठन व शिक्षा पर बल देने की बात कही, वहीं पूर्व मंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि बाबासाहब का जीवन संघर्ष और सफलता का प्रतीक है, जिसे हमें आत्मसात करना चाहिए। पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले आठ वर्षों में 40 मेडिकल कॉलेज, 45 डिग्री कॉलेज और 5 नए विश्वविद्यालय स्थापित कर बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि दी है। चन्द्र प्रकाश खरे ने कहा कि बाबा साहब ने जो ज्योति समाज में जगाई है, उसे जलाये रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है। कार्यक्रम का कुशल संचालन महामंत्री राजेश जयसवाल ने किया तथा कार्यक्रम संयोजक प्रेमलाल बाल्मीकि ने सभी अतिथियों एवं कार्यकताओं के प्रति आभार जताया और मीडिया प्रभारी भागवत त्रिपाठी रहे। इस मौके पर भाजपा के तमाम वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, कार्यकर्ता और सामाजिक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कनाडा में भारतीय छात्रा की मौत, परिजनों ने की शव को स्वदेश वापस लाने की मांग

ओटावा। कनाडा के हैमिल्टन में भारतीय छात्रा की मौत पर शनिवार को परिजनों का बयान सामने आया है। परिजनों ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमारी बेटी दो साल पहले पढ़ाई के लिए कनाडा गई थी।

परिजनों ने अपने बयान में कहा कि दो गुटों के बीच झगड़े के दौरान गोलीबारी हुई और अचानक हमारी लड़की को गोली लग गई, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों ने केंद्र सरकार से लड़की के शव को स्वदेश वापस लाने की मांग की है।

टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने भी छात्रा की मौत की पुष्टि की है। महावाणिज्य दूतावास ने इस संबंध में अपने सोशल मीडिया 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किया है।

इस पोस्ट में कहा गया है कि हैमिल्टन में भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की मौत से हम बहुत दुखी हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार, वह एक निर्दोष लड़की थी, जो गोलीबारी की घटना के दौरान गोली लगने से मर गई। वर्तमान में हत्या की जांच चल रही है। हम उसके परिवार के साथ संपर्क में हैं और सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं।

बता दें कि कनाडा के हैमिल्टन में भारतीय छात्रा की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस ने खुद इसकी पुष्टि की है। मृतक छात्रा की पहचान पंजाब के तरनतारन जिले की हरसिमरत रंधावा के रूप में हुई है। छात्रा मोहॉक कॉलेज में पढ़ती थी। पुलिस के अनुसार, घटना के वक्त छात्रा बस का इंतजार कर रही थी। जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, तो छात्रा घायल अवस्था में पड़ी हुई थी। इसके बाद उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया था कि घटनास्थल के वीडियो का रिव्यू करने के बाद यह पता चला है कि एक अज्ञात शख्स काले रंग की मर्सिडीज से लोगों पर फायरिंग करता नजर आ रहा है। मोहॉक कॉलेज ने इस संबंध में बयान जारी किया और कहा कि दुख की इस घड़ी में हमारी संवेदना छात्रा के परिजनों के साथ है। हम अपनी तरफ से छात्रा के परिजनों को हर संभव मदद देने के लिए तैयार हैं।

चीन और मलेशिया ने संयुक्त रूप से 'स्वर्णिम 50 वर्ष' के लिए नया खाका तैयार किया

बीजिंग। वर्ष 2023 में चीन और मलेशिया ने राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ मनाई और चीन-मलेशिया साझे भविष्य वाले समुदाय के निर्माण की घोषणा की। हाल ही में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मलेशिया की राजकीय यात्रा की। दोनों पक्षों ने चीन-मलेशिया संबंधों के लिए एक नए 'स्वर्णिम 50 वर्ष' बनाने और चीन-मलेशिया सहयोग की गति तेज करने पर सहमति व्यक्त की।

चीन-मलेशिया संबंधों का सुधार और उन्नयन दोनों देशों की गहरी मित्रता और समान विकास दृष्टिकोण से उपजा है। दोनों देशों के आर्थिक लाभ एक-दूसरे के पूरक हैं। विश्व में हो रहे परिवर्तनों का सामना करते हुए दोनों पक्षों ने सक्रिय रूप से क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा दिया है और एकतरफा व्यापार प्रतिबंधों का विरोध किया है, जिससे द्विपक्षीय सहयोग के लिए ठोस आधार तैयार हुआ है। राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा प्रस्तुत तीन सुझावों, अर्थात "रणनीतिक स्वतंत्रता को बनाए रखना, विकास के लिए तालमेल बनाना और पीढ़ी दर पीढ़ी मित्रता को विरासत में प्राप्त करना", ने राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आयामों से चीन-मलेशिया संबंधों की दिशा को इंगित किया है।

इस यात्रा के दौरान, दोनों देशों के नेताओं के बीच कई सहमतियां बनीं, जो न केवल द्विपक्षीय मुद्दों पर आधारित थीं, बल्कि द्विपक्षीय मुद्दों से भी आगे की थीं। दोनों पक्षों ने मूल हितों और प्रमुख चिंताओं पर अपने पारस्परिक समर्थन की पुष्टि की तथा उच्च स्तर का राजनीतिक पारस्परिक विश्वास प्रदर्शित किया।

साथ ही, चीन और मलेशिया दोनों चुनौतियों का सामना करने के लिए एकता और सहयोग को मजबूत करने और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की संयुक्त रूप से रक्षा करने की वकालत करते हैं, जिससे दुनिया को सकारात्मक संकेत मिलेगा।

व्यावहारिक सहयोग चीन-मलेशिया संबंधों का आधार है। चीन लगातार कई वर्षों से मलेशिया का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और निवेश का प्रमुख स्रोत रहा है और दोनों पक्षों के बीच सहयोग से फलदायी परिणाम सामने आए हैं। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों ने विभिन्न क्षेत्रों को कवर करने वाले 30 से अधिक द्विपक्षीय सहयोग दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया, जिससे यह संकेत मिलता है कि चीन-मलेशिया व्यावहारिक सहयोग अधिक घनिष्ठ और उच्च गुणवत्ता वाला होगा।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान के संदर्भ में, चीन और मलेशिया का एक लंबा इतिहास है। जंग हे की पश्चिम की यात्राओं से लेकर दक्षिण-पूर्व एशिया में चीनी लोगों की यात्रा तक, कई अद्भुत कहानियां मौजूद हैं। दोनों पक्ष विभिन्न सभ्यताओं के बीच आपसी सीख और आपसी लाभ को बढ़ावा देने के लिए 'कन्फ्यूशियस और इस्लामी सभ्यता संवाद' का समर्थन करते हैं, जिससे सभ्यताओं के बीच वैश्विक आदान-प्रदान और आपसी सीख के लिए एक उदाहरण स्थापित होता है। साथ ही, दोनों देशों ने वीजा छूट समझौते पर हस्ताक्षर किए और पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को गहरा किया, जिससे चीनी और मलेशियाई लोगों के बीच आध्यात्मिक दूरी और कम हो जाएगी।

नए युग में साझे भविष्य वाले उच्च स्तरीय रणनीतिक चीन-मलेशिया समुदाय का निर्माण करते हुए दोनों देशों के लोगों के दिलों को जीतेंगे और सामान्य प्रवृत्ति का अनुसरण करेंगे।

दोनों देशों के बीच लंबे इतिहास में संचित मैत्री नई यात्रा में एक नया अध्याय लिखेगी। यह पूर्वानुमान लगाया जा सकता है कि चीन और मलेशिया के बीच नए 'स्वर्णिम 50 वर्ष' और भी बेहतर होंगे, जिससे दोनों देशों की जनता को अधिक लाभ मिलेगा और क्षेत्रीय व विश्व में शांति व विकास के लिए और अधिक योगदान मिलेगा।

बांग्लादेश में हिंदू नेता को अगवा कर मारा, भड़का भारत, यूनुस सरकार को लगाई फटकार

बांग्लादेश

जायसवाल ने कहा कि हमने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और क्रूर हत्या को व्यथित रूप से देखा है। यह हत्या अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न का अनुसरण करती है, जबकि पिछली ऐसी घटनाओं के अपराधी दंड से मुक्त होकर घूमते हैं। हम इस घटना की निंदा करते हैं और एक बार फिर अंतरिम सरकार को याद दिलाते हैं कि वह बिना कोई बहाना बनाए या भेदभाव किए, हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी निभाए।

भारत ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और क्रूर हत्या पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। अपनी प्रतिक्रिया में विदेश मंत्रालय ने कहा कि मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली वर्तमान बांग्लादेश सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न का अनुसरण करती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयवाल ने जोर देकर कहा कि इस तरह की पिछली घटनाओं के अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं।

भूकंप के झटकों से थर्राया अफगानिस्तान

अफगानिस्तान

अफगानिस्तान में 5.8 तीव्रता का भूकंप आने के बाद दिल्ली-एनसीआर में भी झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप 130 किलोमीटर की गहराई पर था। इससे पहले 16 अप्रैल को भी अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने बताया कि बुधवार सुबह अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र सहित भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए।

21वीं सदी के मध्य तक एक मजबूत कृषि राष्ट्र बनने के लिए अग्रसर चीन

बीजिंग। चीन एक कृषि प्रधान देश है, जो भारी मात्रा में अनाज उत्पादन करता है। हालांकि विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के चलते मुश्किलें भी पेश आती हैं। बाढ़, सूखा व सुनामी जैसी आपदाओं ने चीन के साथ-साथ भारत और अन्य देशों को परेशान कर रखा है। जबकि खाद्य सुरक्षा भी एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरी है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर कोशिशें जारी हैं। जहां तक चीन का सवाल है, वह खाद्य संकट से निपटने के लिए व्यापक रूप से काम कर रहा है। इसके लिए नई तकनीक अपनाने पर ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही शोध और विकास कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

इस दौरान चीन ने वर्ष 2035 तक कृषि में अपनी ताकत बढ़ाने के लिए एक व्यापक योजना जारी की है। बताया जाता है कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को मजबूत करना है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों का आधुनिकीकरण करते हुए देश की वैश्विक कृषि प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है। कहा गया है कि जिस तरह देश में कृषि क्षेत्र का विकास हो रहा है, उसे देखते हुए चीन 21वीं सदी के मध्य तक एक मजबूत कृषि राष्ट्र बन जाएगा।

बता दें कि इस योजना के तहत देश में कृषि क्षेत्र की नींव मजबूत करने के लिए एक व्यापक रोडमैप को रूपरेखा तैयार की गई है। इसे चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति और राज्य परिषद ने संयुक्त रूप से जारी किया है।

बताया जा रहा है कि चीन लगातार कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए गंभीरता से जुटा हुआ है। इसके तहत वर्ष 2027 तक कृषि आधुनिकीकरण में उल्लेखनीय प्रगति होने की उम्मीद है। इसके लिए सरकार न केवल खाद्य सुरक्षा पर फोकस कर रही है, बल्कि उच्च-मानक वाली कृषि भूमि का विस्तार करने पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही, ग्रामीण लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

चीन द्वारा हाल में जारी योजना के अनुसार, बीज प्रौद्योगिकी और कृषि मशीनरी में हासिल सफलता के कारण अनाज उत्पादन क्षमता 700 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंचने वाली है। इसी कड़ी में चीन ने वर्ष 2035 तक कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों के बुनियादी

आधुनिकीकरण को साकार करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए शहरी और ग्रामीण विकास के अंतर को कम करने पर ध्यान दिया गया है, जो कि ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण पुनरुद्धार में प्रगति हासिल करने की दिशा में भी अहम भूमिका निभाएगा। इस तरह उम्मीद है कि चीन 21वीं सदी के मध्य तक पूरी तरह से एक मजबूत कृषि राष्ट्र बन जाएगा।

इस योजना में कृषि में वैज्ञानिक नवाचार के लिए प्रमुख उपायों पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें बीज प्रौद्योगिकी, सटीक खेती और डिजिटल कृषि में सफलता शामिल है। इसके अलावा, चीन विश्व स्तरीय कृषि अनुसंधान संस्थानों का निर्माण करेगा और अनुसंधान केंद्रों और प्रमुख कृषि क्षेत्रों के बीच घनिष्ठ सहयोग को बढ़ावा देगा। योजना के अनुसार, स्मार्ट खेती की पहल के तहत बिग डेटा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उपग्रह निगरानी को आधुनिक कृषि कार्यों में एकीकृत किया जाएगा।

विशेषज्ञों के मुताबिक, यह योजना एक मजबूत कृषि राष्ट्र के निर्माण, ग्रामीण जीवन शक्ति और कृषि तथा ग्रामीण क्षेत्रों के आधुनिकीकरण के बीच संबंधों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करती है।

कहा जा सकता है कि चीन कृषि के क्षेत्र में तकनीक का सफलता से इस्तेमाल कर रहा है, जिस तरह से हाल के वर्षों में चीन में बड़ी मात्रा में अनाज उत्पादन हुआ है, वह पूरे विश्व के लिए अच्छी खबर है, क्योंकि, चीन में पैदा होने वाला अनाज अन्य देशों में भी निर्यात किया जाता है। जो खाद्य संकट से जूझ रहे देशों के लिए बड़ी सहायता है। उम्मीद है कि चीन लगातार कृषि आधुनिकीकरण पर ध्यान देगा।

फिर से सोंचे... बांग्लादेश जा रहे अमेरिकियों को ट्रंप की चेतावनी

अमेरिका

संयुक्त राज्य अमेरिका ने बांग्लादेश के लिए अपनी यात्रा सलाह पुनः जारी की है, जिसमें सुरक्षा संबंधी बढ़ते खतरों के कारण देश के लिए ह्यस्तर 3: यात्रा पर विचार करेंह्ल की चेतावनी तथा चटगांव हिल ट्रैक्ट्स क्षेत्र के लिए ह्यस्तर 4: यात्रा न करेंह्ल की चेतावनी जारी की गई है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने हिंसा, अपराध और अपहरण के उच्च जोखिम का हवाला देते हुए बांग्लादेश के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स क्षेत्र के लिए स्तर 4 की सलाह जारी की। 18 अप्रैल को अपडेट की गई सलाह में खगराचारी, रंगमती और बंदरबन जिलों को शामिल किया गया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि इस क्षेत्र में सांप्रदायिक अशांति, आतंकवाद और राजनीतिक हिंसा की घटनाएँ देखी गई हैं, जिसमें क्रूड विस्फोट और सक्रिय गोलीबारी शामिल है। धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने वाले और व्यक्तिगत विवादों से जुड़े अपहरणों की भी रिपोर्ट की गई है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को इस क्षेत्र में जाने से रोक दिया गया है, और यात्रा के लिए बांग्लादेश के गृह मंत्रालय से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य है। सलाह में कहा गया है, "किसी भी कारण से इन क्षेत्रों की यात्रा न करें।

साउथ कोरिया : कार्यवाहक राष्ट्रपति ने महाभियोग परीक्षण के दौरान सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस को धन्यवाद दिया

सोल। साउथ कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने पूर्व राष्ट्रपति यूं सूक येओल के महाभियोग परीक्षण के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने में शामिल पुलिस अधिकारियों के लिए शुक्रवार को एक धन्यवाद लंच का आयोजन किया।

योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार हान के आधिकारिक निवास पर दोपहर के भोजन में राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी के कार्यवाहक प्रमुख ली हो-यंग, सियोल मेट्रोपॉलिटन पुलिस एजेंसी के कार्यवाहक प्रमुख पार्क ह्यून-सू और अन्य पुलिस अधिकारी शामिल हुए, जो 4 अप्रैल को संवैधानिक न्यायालय के महाभियोग के फैसले से पहले यून समर्थक और यून विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच

हिंसक झड़पों को रोकने के लिए मैदान में थे। हान के कार्यालय ने कहा, "हमारे पुलिस अधिकारियों ने देश के लिए एक बेहद नाजुक और महत्वपूर्ण समय में अपने कर्तव्यों का पूरी तरह से पालन किया। मुझे उम्मीद है कि आप लोगों के पक्ष में बने रहेंगे और कोरिया गणराज्य को सुरक्षित बनाने वाले पुलिस अधिकारियों के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे।" इस बीच, रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि साउथ कोरियाई सेना के 707वें विशेष मिशन समूह के प्रमुख और छह अन्य सैन्य अधिकारियों को 3 दिसंबर को मार्शल लॉ लागू करने में उनकी कथित संलिप्तता के कारण अनिवार्य अवकाश पर रखा गया है।

सात अधिकारियों में सेना के 707वें विशेष मिशन समूह के प्रमुख कर्नल किम ह्यून-ताए शामिल हैं। मंत्रालय के अनुसार इसमें ब्रिगेडियर जनरल ली सांग-ह्यून, प्रथम विशेष बल ब्रिगेड के कमांडर और मेजर जनरल पार्क हेन-सू, मंत्रालय के आपराधिक जांच कमांड के प्रमुख हैं। इन सभी पर असफल मार्शल लॉ प्रयास में शामिल होने के आरोप लगाए गए हैं। इनमें से, पार्क को अपने कर्तव्यों से हटा दिया गया है, जबकि बाकी को उनके पदों से बर्खास्त कर दिया गया है। ताजा निर्णय ने प्रभावित अधिकारियों को सैन्यकर्मी के रूप में बनाए रखा है। इससे सेना को अदालत में दोषी पाए जाने की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्रवाई करने में सक्षम बनाया जा सके।

मंत्रालय ने पहले प्रमुख कमांडरों को अनिवार्य अवकाश पर रखा था, क्योंकि उनपर असफल मार्शल लॉ प्रयास में उनकी कथित संलिप्तता के लिए अभियोग लगाया गया था।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

व्हाइट हाउस ने कोविड 'लैब लीक' के लिए चीन को ठहराया जिम्मेदार, बाइडेन पर भी उठाए सवाल

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को एक कोविड-19 वेबसाइट लॉन्च की, जिसमें उन्होंने कोरोना वायरस की उत्पत्ति के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया है। साइट के मुताबिक वुहान के एक लैब से ये वायरस लीक किया गया।

पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन, अमेरिका के पूर्व शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारी एंथनी फाउसी और विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी कोरोना वायरस की उत्पत्ति को दबाने की भी आलोचना की गई है।

व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर अब कोविड-19 लैब-लीक थ्योरी को समर्पित एक पूरा पेज है।

यह घटना सीआईए द्वारा एक रिपोर्ट जारी करने के कुछ सप्ताह बाद आई है जिसमें कहा गया था कि प्रयोगशाला से लीक की आशंका है।

एजेंसी ने पहले कहा था कि उसके पास कोविड-19 की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए पर्याप्त जानकारी नहीं है।

नया वेबपेज उस साइट पर है, जो कोविड-19 टीकाकरण प्रयासों के लिए संसाधन के रूप में कार्य करती थी। अब इसमें एक बैनर है जिसमें लिखा है: "लैब लीक, द ट्रू ओरिजिन्स ऑफ कोविड-19 (यानि कोविड उत्पत्ति की सच्चाई)।"

बैनर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी दिखाया गया है। इसमें पूर्व मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ. फाउसी और बाइडेन पर कोरोना वायरस की उत्पत्ति को छुपाने का भी आरोप लगाया गया है।

इसमें कहा गया है कि पिछली सरकार ने सच्चाई को छुपाने के लिए विलंब, भ्रम और गैर-जवाबदेही का बहु-वर्षीय अभियान चलाया।

व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि यह वेबसाइट कोविड-19 की उत्पत्ति को दशार्ती है और दिखाती है कि कैसे डेमोक्रेट्स और मीडिया ने वैकल्पिक स्वास्थ्य उपचारों और लैब-लीक थ्योरी को बदनाम किया ।

इसके अलावा, वेबसाइट में पांच प्रमुख बिंदुओं को सूचीबद्ध किया गया है, जो यह सुझाव देते हैं कि कोविड-19 की उत्पत्ति प्राकृतिक नहीं थी।

वायरस में एक जैविक विशेषता है जो प्रकृति में नहीं पाई जाती।

डेटा के अनुसार, कोविड-19 के सभी मामले मनुष्यों में एकल प्रवेश से उत्पन्न हुए हैं, जो पिछली महामारियों के विपरीत है, जहां कई स्पिलओवर घटनाएं हुई थीं।

वुहान में चीन का प्रमुख सार्स अनुसंधान लैब है, जिसका पर्याप्त जैवसुरक्षा के बिना गेन-ऑफ-फंक्शन अनुसंधान (जीन परिवर्तन और जीवों को सुपरचार्ज करने) का इतिहास रहा है।

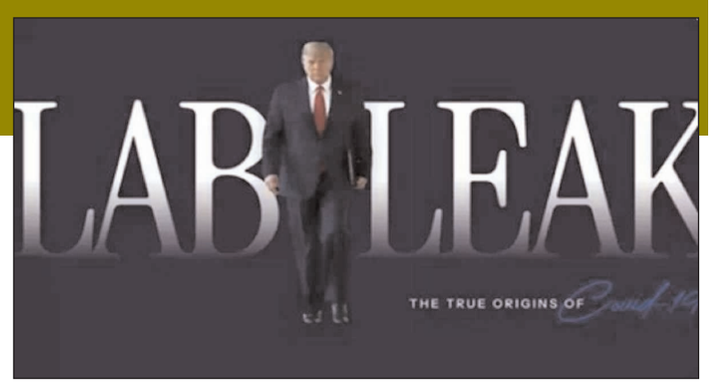

वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के शोधकर्ता 2019 की शरद ऋतु में कोविड जैसे लक्षणों के साथ बीमार थे, जो कि वेट मार्केट में कोविड-19 की खोज से महीनों पहले था।

विज्ञान के लगभग सभी मापदंडों के अनुसार,

यदि कोरोना वायरस की प्राकृतिक उत्पत्ति का कोई सबूत होता, तो वह अब तक सामने आ चुका होता। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।